

खामेनेई की अंतिम यात्रा शियाओं के धार्मिक शहर कोम पहुंची

» लगातार दूसरे दिन लाखों लोग सड़कों पर मौजूद

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा मंगलवार को शियाओं के प्रमुख धार्मिक शहर कोम में निकाली जा रही है। तेहरान के बाद यहां भी लगातार दूसरे दिन लाखों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे हैं। खामेनेई और उनके परिवार के दिवंगत सदस्यों के पार्थिव शरीर को जमकरान मस्जिद लाया गया, जहां आयतुल्ला जवादी अमोली ने जनाजे की नमाज अदा कराई। मस्जिद परिसर और आसपास की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। ड्रोन फुटेज में पूरा इलाका लोगों से खचाखच भरा दिखाई दिया। कोम शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। खामेनेई ने अपने शुरुआती धार्मिक जीवन में यहीं इस्लामी शिक्षा हासिल की थी। इसलिए उनकी अंतिम यात्रा का यह पड़ाव खास माना जा रहा है।

8 जुलाई को खामेनेई के पार्थिव शरीर को इराक के नजफ और कर्बाला ले जाया जाएगा। यहां इराक के शिया समुदाय के अंतिम दर्शन के

जमकरान मस्जिद में जनाजे की नमाज हुई



लिए जनाजे का जुलूस निकाला जाएगा। इसके बाद ईरान में उनके गृह नगर मशहद ले जाया जाएगा, जहां गुरुवार को इमाम रजा दरगाह परिसर में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

इराक के नजफ में खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां तेज: खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले इराक के नजफ शहर में

तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और अंतिम विदाई से जुड़े धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं। नजफ शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के चलते यहां भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

» 18 साल पहले 70 मिनट में 21 धमाके हुए थे

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने सभी 38 दोषियों की फांसी की सजा और 11 अन्य दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी। साथ ही, कोर्ट ने 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश दिया।

2022 में सुनाई गई थी सजा: अहमदाबाद की स्पेशल कोर्ट ने फरवरी 2022 में इस मामले में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके खिलाफ गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने अपील खारिज कर दी।

क्या था अहमदाबाद बम विस्फोट मामला? 26 जुलाई 2008 को 70 मिनट में हुए 21 बम धमाकों ने अहमदाबाद को दहला दिया था। शहर भर में हुए इन धमाकों में 56 लोगों की जान गई, जबकि 200 लोग घायल हुए थे। धमाकों की जांच-पड़ताल कई

गुजरात हाईकोर्ट का फैसला: 11 को उम्रकैद



साल चली और करीब 80 आरोपियों पर मुकदमा चला।

लॉकडाउन के दौरान चली थी सुनवाई: अहमदाबाद विस्फोट के बाद करीब 12 साल तक इस मामले की जांच

और सुनवाई चली थी। लॉकडाउन के दौरान भी इस मामले की सुनवाई लगातार चलती रही। देश में पहली बार एकसाथ 49 आरोपियों को आतंकवाद के गुनाह में दोषी ठहराया गया था।

केस से जुड़े 6000 डॉक्यूमेंट्स कोर्ट में पेश किए गए थे... 2009 में ट्रायल तब शुरू हुए, जब करीब 35 कैसों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया। अहमदाबाद में ब्लास्ट वाली लोकेशन में और सूरत में जहां पुलिस को बम मिले, वहां सबूत खोजे जा रहे थे। लंबे चले मुकदमे में कई मोड़ आए। प्रॉसिक्यूशन ने जज एआर पटेल के सामने 1,100 से ज्यादा गवाहों से पुछताछ की थी। केस से जुड़े 6000 डॉक्यूमेंट्स कोर्ट में पेश किए गए थे। 3,47,800 पेज की 547 चार्जशीट तैयार की गई थी। अकेले प्राइमरी चार्जशीट ही 9800 पेज की रही। जांच के दौरान पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (IM) और बैन किए गए स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (SIMI) से जुड़े लोगों ने ब्लास्ट कराए थे।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया

ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल अस्त्र मिसाइल की भी डील; मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान



जकार्ता,एजेंसी। भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही। इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त वृत्ति देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर

मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वॉटिंग मशीन (ईवीएम) विकसित करने में भी मदद करेगा। ये समझौते पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हुए। मंगलवार को पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का दूसरा दिन है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया। पीएम शाम को जकार्ता में भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे। वे बुधवार



को इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन जाएंगे। यह मंदिर 1000 साल से ज्यादा पुराना है। पीएम मोदी को इंडोनेशिया का

मोदी बोले- भारत-इंडोनेशिया में सप्लाई चेन को मजबूत करना जरूरी... पीएम मोदी ने कहा- तकनीक के दौर में सप्लाई चेन मजबूत करना बेहद जरूरी है। भारत और इंडोनेशिया ने क्रिटिकल मिनरल्स और स्टील सेक्टर की सप्लाई चेन को मजबूत करने पर अहम समझौता किया है।

सर्वोच्च सम्मान मिला: इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'बितांग आदिपूर्णा' ऑफ द रिपब्लिक

ऑफ इंडोनेशिया' मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। यह इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। साथ ही स्टैनलेस स्टील और रेयर अर्थ मैग्नेट के क्षेत्र में दोनों देशों की कंपनियां नई साझेदारी करेंगी। भारत का P1 जल्द ही इंडोनेशिया के पेमेंट सिस्टम से जुड़ेगा। इससे दोनों देशों के बीच कारोबार करना और यात्रा करना आसान होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता स्थित प्रबानन मंदिर जाएंगे।

महाराष्ट्र में बारिश का कहर: 13 लोगों की मौत, 10 घायल

पहाड़ी इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी

» जम्मू-कश्मीर के डोडा में बादल फटा, मलबे में गाड़ियां दबीं

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। IMD ने मंगलवार के लिए अर्रेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई के सभी सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। नासिक में भी आज सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। ल्यंबकेश्वर मंदिर और महाराष्ट्र के



साढ़े तीन शक्तिपीठों में शामिल सप्तश्रृंगी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए आज बंद रहेगे। वहीं, केरलम के वायनाड में टनल प्रोजेक्ट साइट पर मंगलवार को लैंडस्लाइड हो गया। मलबा गिरने से 5 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौसम विभाग ने आज भी

भारी बारिश का अर्रेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही आज मुंबई में तेज हवाएं चलने का भी अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र में पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई है। राज्य में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। राज्य आपतकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, करीब 100 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और भीषण बाढ़ के कारण सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं। आंकड़े राज्य के तटीय और पश्चिमी हिस्सों में हुई भारी बारिश हुई हैं। लोनावला में पिछले 48 घंटों के दौरान सर्वाधिक 625 मिमी बारिश दर्ज की गई।

तेलंगाना में पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा

पत्नी नर्स, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था; छत से धक्का भी दिया था, लेकिन बच गया

निजामाबाद,एजेंसी।

तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति को हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा



है कि यह हत्या पहले से रची हुई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल

पहले छत से धक्का दिया, लेकिन प्रशांत बच गया था... पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें झगड़ होने लगे।

मंडल के न्यायाकल गांव की है। इसकी खबर सोमवार को सामने आई।

30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले खूब शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया।

जयपुर- सड़क किनारे परिवार पर चढ़ा ट्रेलर, 4 की मौत

» बच्चों के शव टुकड़ों में नाले में गिरे,चारों ओर मांस बिखरा, मां के दोनों पैर कटे

जयपुर,एजेंसी। जयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने फुटपाथ पर बैठे एक परिवार के 5 लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन बच्चों और पिता की मौत हो गई।

मां के दोनों पैर कट गए। हादसा इतना भीषण था कि बच्चों के शवों के चिथड़े उड़ गए। एक बच्चे के शव के दो टुकड़े हो गए। सभी लोग नाले में गिर गए। हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र के 200 फीट बाईपास पर कमला नेहरू नगर में मंगलवार सुबह 8:46 बजे हुआ। मृतकों की पहचान राजसमंद के जैतपुरा का निवासी चंद्रप्रकाश और उनके बेटी रमेश (11), दीपक (8),रतन (10) के रूप में हुई है। चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी गंधीर रूप से घायल है। कैलाशी के दोनों पैर कट गए हैं। एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा में इलाज चल रहा है।

गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था परिवार: हादसे का शिकार



बागरी समाज का परिवार वैशाली नगर में किराए के मकान में रहता था। फुटपाथ पर झाड़ू बनाकर बेचता था। आज सुबह गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था।

बंगाल गैंगरेप मर्डर

मुय आरोपी समेत 3 गिर तार

बारूईपुर में जिंदा बच्ची तालाब में फेंकी थी, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दावा- फेफड़ों-पेट में पानी मिला

कोलकाता,एजेंसी।

बंगाल पुलिस ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बारूईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आनंद सरदार के तौर पर हुई है। पुलिस ने सच ऑपरेशन चलाकर उसे शहर के बाजार इलाके से पकड़ा।

इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या तीन हो गई है। मामले की जांच के लिए 6 लोगों की स्टूड्र बनाई गई है। मासूम 4 जुलाई को



लापता हुई थी। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि मासूम सहेली के लिए गिफ्ट खरीदने निकली थी। जब बच्ची घर नहीं लौटी तो परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की



शिकायत दर्ज कराई। बाद में रविवार को उसकी लाश सूर्यपुर हाट इलाके के तालाब में मिली थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे। पोस्टमॉर्टम में भी इस बात का

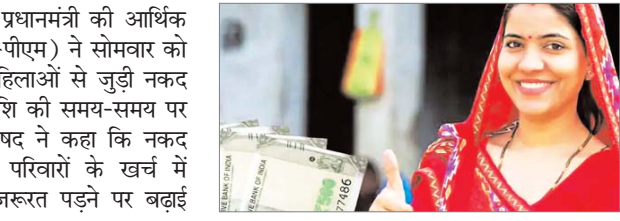
एक आरोपी को भीड़ ने पीटकर मार डाला था... इससे पहले रविवार को लड़की का शव मिलने के तुरंत बाद, भीड़ ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी, जिस पर लड़की के रेप और मर्डर में शामिल होने का शक था। इसकी पहचान इंद्रजीत तांती के रूप में हुई थी।

खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने रेप के बाद उसे जिंदा ही तालाब में फेंका था। उसके फेफड़े और पेट में पानी मिला।

15 राज्यों में महिलाओं को मिलने वाली सहायता राशि बढ़े

पीएम की आर्थिक सलाहकर परिषद ने कैश स्कीम पर सिफारिश की

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने सोमवार को कहा कि 15 राज्यों में महिलाओं से जुड़ी नकद सहायता योजनाओं की राशि की समय-समय पर समीक्षा होनी चाहिए। परिषद ने कहा कि नकद राशि महंगाई बढ़ने और परिवारों के खर्च में बदलाव को देखते हुए जरूरत पड़ने पर बढ़ाई



जानी चाहिए।

ईएसी-पीएम ने अपनी रिपोर्ट में महाराष्ट्र की माझी लाइकी बहिन योजना और ओडिशा की सुभद्रा योजना का अध्ययन किया। रिपोर्ट में कहा गया कि इन योजनाओं से महिलाओं की बचत बढ़ी, घरेलू खर्च में मदद मिली और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई।

केतन हत्याकांड का सोनम रघुवंशी कनेक्शन गूगल पर क्या सर्च कर रही थी सिया मोबाइल ने खोले कई राज

पुणे, एजेंसी। पुणे के हाई-प्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल की हत्याओं के बीच अजीब समानताएं देखने को मिल रही हैं। दोनों ही मामलों में, पीड़ितों को उनके पार्टनर ने पहाड़ की चोटी से नीचे फेंक दिया। जांचकर्ताओं का मानना है कि सिया गोयल और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी ने शायद सोनम रघुवंशी द्वारा अपने पति की हत्या के लिए बनाई गई योजना से सबक लिया होगा।

केतन और राजा के केस में मिली समानता: हालांकि दोनों मामलों में समानताएं हैं, लेकिन पुलिस का मानना है कि सिया गोयल ने सोनम रघुवंशी की गलतियों से सीखा कर उससे बेहतर प्लान बनाया। बेहतर इंतजाम किए और मजबूत ‘अलीबी’ (घटना के समय कहीं और होने का सबूत) तैयार किया, जिससे पुलिस के लिए इस मामले को सुलझाना मुश्किल हो गया। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उन्हें अचानक एक अहम सुराग मिला। ‘स्ट्रीम ऑफ कॉन्शियसनेस’ शैली वाले उपन्यासों की तरह, जांचकर्ताओं को आरोपी



के जुर्म कबूलने तक पहुँचने के लिए कई झूठी दलीलों और बहानों की परतों को हटाना पड़ा।

हालांकि पुलिस कस्टडी में किए गए कबूलनामों की कानूनी अहमियत कम होती है, लेकिन हत्या की जांच में इससे सबूत जुटाने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

सिया के दिमाग में क्या चल रहा था: वर्जीनिया वूल्फ के मशहूर ‘स्ट्रीम ऑफ कॉन्शियसनेस’ उपन्यास ‘मिसेज डैलेवे’ की कहानी कहने के अंदाज़ की तरह ही, पुलिस का कहना है कि हत्या की साजिश असल जिंदगी में ठीक वैसे ही रची गई जैसी

सिया गोयल के दिमाग में चल रही थी। इसमें मुख्य किरदार यानी केतन अग्रवाल से शादी से बचने के लिए हत्या को ही एकमात्र रास्ता मानने वाली महिला के मन के विचारों और बाहरी हकीकत के बीच लगातार बदलाव होता रहा। जब पुछा गया कि क्या सिया गोयल की सोच अपराधिक थी, तो जांच से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, ‘यह हताशा में किया गया अपराध था। निजी रिशतों और उसकी सोच ने उसे इस नतीजे पर पहुंचाया कि यही इकलौता रास्ता है। परिवारों के बीच लेन-देन की बात ने भी उसके फैसले में भूमिका निभाई।

सोनम रघुवंशी केस से ली थी ट्रेनिंग

पुलिस को यह भी लगता है कि चेतन और सिया ने हत्या का प्लान बनाने समय बनाते समय पूरी रिसर्च की थी। उन्होंने राजा रघुवंशी हत्याकांड से जुड़ी खबरों को भी पढ़ा था; बता दें राजा रघुवंशी हत्याकांड की साजिश उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी ने रची थी। हालांकि राजा रघुवंशी की हत्या के बाद उनकी लाश को एक सुनसान रास्ते पर चढ़ान से नीचे फेंक दिया गया था, लेकिन इस मामले की डिटेल्स अलग हैं। पुलिस के मुताबिक सिया और चेतन, दोनों ने मिलकर केतन को चढ़ान से नीचे धकेला था। यह उनकी योजना का हिस्सा था, क्योंकि अगर सिया अकेले उसे धक्का देती, तो शायद उसमें इतनी ताकत नहीं होती कि वह पक्का कर सके कि वह नीचे खाई में गिरे।

सिया गूगल पर क्या सर्च कर रही थी

पुलिस के मुताबिक, सिया गोयल के पास से जब किए गए मोबाइल फोन की ब्राइजिंग हिस्ट्री से पता चलता है कि उसने मेघालय में हुए राजा रघुवंशी हत्याकांड की डिटेल्स देखी थीं। पुलिस को यह भी पता चला है कि उसने यह भी देखा था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं की पीटाई होती है और महिला कैदियों के क्या अधिकार हैं? गोयल के घर से जब किया गया दूसरा मोबाइल फोन उसकी योजना और उसे अंजाम देने के बारे में और सुराग दे सकता है। इस डिवाइस को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। इस मामले में राजा रघुवंशी की मां, उमा रघुवंशी ने कहा कि सिया गोयल के अपराध ने उन्हें अपने बेटे और सोनम की याद दिला दी। उनका कहना है कि दोनों आरोपियों में से किसी ने भी अपने किए पर कोई पछतावा नहीं जताया है। उमा रघुवंशी ने कहा कि सोनम रघुवंशी का जमानत पर बाहर होना ऐसे मामलों में आरोपियों का हीसला बढ़ा सकता है, जबकि शिलांग में राजा रघुवंशी हत्याकांड का दायल चल रहा है।

आपसी झगड़े में माता-पिता ने की 11 महीने के मासूम की हत्या, फिर रची एक्सीडेंट की झूठी कहानी

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु पुलिस ने एक 11 महीने की बच्ची की हत्या के आरोप में उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि आरोपियों ने अपनी ही बच्ची की हत्या करने के बाद इसे एक हादसे का रूप देने की कोशिश की थी। पुलिस के अनुसार, बच्ची के पिता शेकप्पा ने



शुरुआत में पुलिस के पास जाकर दावा किया था कि उसकी पत्नी विजयलक्ष्मी स्तनपान कराते समय सो गई थी और इसी दौरान बच्ची बिस्तर से नीचे गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले को शुरुआत में पुलिस ने अवाकूलिक मौत के तौर पर दर्ज किया था। यह घटना 9 जून को पूर्वी बेंगलुरु के अवालाहल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कितागनूर गांव में हुई थी। शेकप्पा ने अपनी शिकायत में बताया था कि बच्ची को तुरंत ईस्ट पॉइंट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी आधार पर अधिकारियों ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुला राज: 22 जून को प्राप्त हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उसके बाद की जांच ने माता-पिता की गद्दी हुई कहानी की पोल खोल दी। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि मासूम की मौत अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव और कई अंदरूनी चोटों के कारण सांस लेने में हुई तकलीफ से हुई है। बच्ची के चेहरे, छाती, पैरों और निजी अंगों पर चोट के कई निशान पाए गए। जांचकर्ताओं ने घटनास्थल का मुआयना करने पर पाया कि जिस बिस्तर से बच्ची के गिरने का दावा किया गया था, उसकी ऊंचाई केवल दो फीट थी। पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि इतनी कम ऊंचाई से गिरने पर शरीर पर ऐसी गंभीर चोटें आना नामुमकिन है।

पति-पत्नी के झगड़े में गई मासूम की जान: विस्तृत जांच में इस खौफनाक वारदात का सच सामने आया। 9 जून की दोपहर को जब शेकप्पा लंच के लिए घर लौटा, तो उसका अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी के साथ तीखा विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, इस झगड़े के दौरान जब बच्ची रोने लगी, तो मां विजयलक्ष्मी ने उसे लात मार दी। इसके बाद गुस्से में आगबबूला होकर पिता शेकप्पा ने बच्ची को उठाया और पूरी ताकत से जमीन पर पटक दिया, जिससे बच्ची को गंभीर अंदरूनी चोटें आईं।

मां का अवैध संबंध: पुलिस ने बताया कि गवाहों के दर्ज किए गए बयानों से पता चला है कि इस दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। गवाहों ने यह भी आरोप लगाया कि विजयलक्ष्मी का एक पड़ोसी के साथ अवैध संबंध था और वह अपनी बच्ची से बिल्कुल प्यार नहीं करती थी। मेडिकल स्नूटों, गवाहों के बयानों और जांच में सामने आए सभी तथ्यों के आधार पर, अवालाहल्ली पुलिस ने बच्ची के पिता शेकप्पा और मां विजयलक्ष्मी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और धारा 3(5) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल इस मामले की आगे की जांच जारी है।

हिमाचल कैबिनेट बैठक 20 जुलाई को, क्या रहेगा मुख्य एजेंडा शिक्षक भर्ती और इंटरनेट पोर्टल्स पर भी आएगा फैसला



शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक 20 जुलाई को मुख्यमंत्री सुखविंद सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में होगी। इसमें राज्य के विकास, शिक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर निर्णय होने की संभावना है। सामान्य प्रशासन विभाग की कैबिनेट शाखा ने बैठक की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बैठक का प्रमुख एजेंडा सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया के नए नियम तय करना है।

नियुक्ति मानकों में बदलाव प्रस्तावित: सूत्रों के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नियुक्ति मानकों में बदलाव प्रस्तावित है। योग्य अभ्यर्थियों के चयन के लिए कड़े मानदंड तय किए जा सकते हैं, जिससे लंबे समय से चली आ रही विसंगतियों को दूर करने और हजारों शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

अपंजीकृत न्यूज पोर्टल पर कसेगा शिकंजा: मंत्रिमंडल बिना पंजीकरण संचालित हो रहे इंटरनेट मीडिया पोर्टल और चैनलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी विचार करेगा। सरकार ऐसे संचालकों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है, जो बिना आधिकारिक पंजीकरण के भ्रामक, सनसनीखेज या अश्लील फैलाने वाली सामग्री प्रसारित करते हैं।

ब्लैकमेलिंग और अफवाहों पर रोक लगाने को होगा एक्शन: डिजिटल मीडिया के नाम पर ब्लैकमेलिंग और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए नए दिशा-निर्देश लागू किए जा सकते हैं। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत अनिवार्य पंजीकरण नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान भी किया जा सकता है।

रिश्वत मामले में शिलांग स्थित एनएचआई अधिकारी और दो अन्य गिरफ्तार

शिलांग, एजेंसी। सीबीआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भारत (एनएचआई) के एक परियोजना निदेशक (शिलांग) और दो निजी व्यक्तियों को एक ठेकेदार से 12 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत ठेकेदार के 13.38 करोड़ रुपये के बकाया बिलों को मंजूरी देने के लिए मांगी गई थी। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि परियोजना निदेशक आनंद सिंह चौहान को पूर्वांचल बिल्डटेक के निदेशक मोहम्मद मतलूबुद्दीन अहमद की शिकायत पर सीबीआई ने गिरफ्तार किया। सीबीआई ने बताया कि चौहान के सहयोगी पुनीत को भी एक जुलाई को गिरफ्तार किया गया था।

ट्रंप का दबाव या रूस का खतरा रक्षा बजट बढ़ाने पर

नाटो का सख्त संदेश, कौन से देशों की बढ़ेगी मुश्किलें

अंकारा, एजेंसी। दुनिया में बढ़ते सुरक्षा संकट और बदलते भू-राजनीतिक माहौल के बीच नाटो ने अपने सदस्य देशों को स्पष्ट संदेश दिया है। तुर्किये की राजधानी अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से पहले संकटन के महासचिव मार्क रूटे ने कहा कि सभी सदस्य देश रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए स्पष्ट, ठोस और भरोसेमंद योजना पेश करें। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी लगातार यूरोपीय सहयोगियों से अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद उठाने और रक्षा बजट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नाटो का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन मंगलवार से अंकारा में शुरू होगा।

इस बैठक में 32 सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। पिछले वर्ष सदस्य देशों ने रक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कुल पांच प्रतिशत खर्च करने के लक्ष्य पर सहमति जताई थी। इसमें 3.5 प्रतिशत राशि सीधे रक्षा बजट पर और 1.5 प्रतिशत सड़क, पुल, बंदरगाह जैसी सैन्य ढांचगत सुविधाओं के विकास पर खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है,



ताकि संकट के समय सेना और सैन्य उपकरणों की तेज आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

ट्रंप का दबाव या रूस का खतरा: नाटो देशों पर रक्षा बजट बढ़ाने का दबाव दो बड़े कारणों से बढ़ा है। पहला, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप में सुरक्षा खतरे पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गए हैं और नाटो को अपनी सैन्य तैयारियां मजबूत करनी पड़ रही हैं। दूसरा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार यह कह रहे हैं कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा के लिए अधिक खर्च करना चाहिए और अमेरिका पर निर्भरता कम करनी चाहिए। ट्रंप

का मानना है कि सुरक्षा का पूरा बोझ अमेरिका अकेले नहीं उठा सकता। ऐसे में रूस से बढ़ते खतरे और ट्रंप के दबाव, दोनों ने नाटो सदस्य देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम उठाने के लिए मजबूर कर दिया है।

क्या सभी देश पांच प्रतिशत रक्षा खर्च के लक्ष्य से सहमत: हालांकि सभी सदस्य देश इस लक्ष्य तक नहीं पहुंचे हैं। स्पेन ने लक्ष्य का समर्थन तो किया है, लेकिन उसका कहना है कि वह पांच प्रतिशत खर्च किए बिना भी नाटो की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। वहीं कई देश अब तक पुराने 2 प्रतिशत जीडीपी रक्षा खर्च के लक्ष्य को भी

हासिल नहीं कर पाए हैं। ऐसे में नाटो नेतृत्व चाहता है कि हर सदस्य देश यह बताए कि वह तय लक्ष्य तक कब और कैसे पहुंचेगा।

अगर कोई देश लक्ष्य पूरा नहीं करेगा तो क्या होगा: मार्क रूटे ने कहा कि जिन देशों के पास अभी तक स्पष्ट योजना नहीं है, उन्हें मनाने के तरीके नाटो के पास मौजूद हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि ऐसे देशों के खिलाफ क्या कदम उठाए जा सकते हैं। दूसरी ओर, नाटो में अमेरिका के राजदूत मैथ्यू क्विटेकर ने हाल ही में कहा था कि ट्रंप चाहते हैं कि सभी सहयोगी देश तत्काल पांच प्रतिशत रक्षा खर्च की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले देशों के लिए अमेरिका के पास अलग रणनीति हो सकती है।

रक्षा खर्च बढ़ाने पर ट्रंप इतना जोर क्यों दे रहे: ट्रंप लंबे समय से नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। उनका तर्क है कि यूरोप की सुरक्षा का सबसे बड़ा बोझ अमेरिका अकेले नहीं उठा सकता। उन्होंने पहले भी उन देशों की आलोचना की है।

तेल अवीव, एजेंसी। दुनिया के सबसे चर्चित बंधक बचाव अभियानों में शामिल ‘ऑपरेशन एंटेबे’ या ‘ऑपरेशन थंडरबोल्ट’ को 50 साल पूरे हो गए हैं। वर्ष 1976 में इसाइल ने युगांडा के एंटेबे एयरपोर्ट पर हजारों किलोमीटर दूर जाकर ऐसा सैन्य अभियान चलाया, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। इस ऑपरेशन में 102 बंधकों को सुरक्षित छुड़ा लिया गया था, लेकिन अभियान का नेतृत्व कर रहे विशेष बल के कमांडर और मौजूदा इसाइल के प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू के बड़े भाई योनातान ‘योनी’ नेतन्याहू शहीद हो गए थे। अब इस अभियान के प्रमुख पायलट ब्रिगेडियर जनरल जोशुआ शानी ने 50 साल बाद इससे जुड़ी कई अहम बातें साझा की हैं। ऑपरेशन की 50वीं

वर्षगांठ पर एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में जोशुआ शानी ने कहा कि उन्हें आज भी उस मिशन का हर पल याद है। उनके मुताबिक, सरकार की औपचारिक मंजूरी मिलने से पहले ही इसाइली वायुसेना ने संभावित सैन्य अभियान की तैयारी शुरू कर दी थी। उनकी सी-130 हरक्यूलस प्रमुख पायलट ब्रिगेडियर जनरल जोशुआ शानी ने 50 साल बाद इससे जुड़ी कई अहम बातें साझा की हैं। ऑपरेशन की 50वीं



वर्षगांठ पर एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में जोशुआ शानी ने कहा कि उन्हें आज भी उस मिशन का हर पल याद है। उनके मुताबिक, सरकार की औपचारिक मंजूरी मिलने से पहले ही इसाइली वायुसेना ने संभावित सैन्य अभियान की तैयारी शुरू कर दी थी। उनकी सी-130 हरक्यूलस प्रमुख पायलट ब्रिगेडियर जनरल जोशुआ शानी ने 50 साल बाद इससे जुड़ी कई अहम बातें साझा की हैं। ऑपरेशन की 50वीं

अध्ययन किया। इसी तैयारी की वजह से सरकार के सामने बातचीत के अलावा सैन्य कार्रवाई का विकल्प रखा जा सका।

बंधक संकट की शुरुआत कैसे हुई: यह पूरा घटनाक्रम तब शुरू हुआ, जब तेल अवीव से पेरिस जा रहे एयर फ्रांस के एक विमान का फलस्तीनी और जर्मन आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया। विमान को युगांडा के एंटेबे एयरपोर्ट ले जाया गया, जहां उस समय इंदी अमीन का शासन था। आतंकवादियों ने गैर-इसाइली यात्रियों को छोड़ दिया, लेकिन 100 से अधिक इसाइली और यहूदी बंधकों को अपने कब्जे में रखा। इससे इसाइल के सामने दो विकल्प थे। पहला, आतंकवादियों की मांगें मान ली जाएं। दूसरा, सैन्य कार्रवाई कर बंधकों को छुड़ाया जाए।

पीएमजीएसवाई के जीएम के खिलाफ ठेकेदारों का अनिश्चितकालीन धरना, कमीशनखोरी और भुगतान



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के महाप्रबंधक की कार्यशैली से नाराज ठेकेदारों ने मंगलवार से कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है ठेकेदारों का आरोप है कि विभागीय स्तर पर मनमानी , कमीशनखोरी और भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इससे

पहले सोमवार को ठेकेदारों ने सांकेतिक धरना देकर अपनी मांगों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था। ठेकेदारों ने बताया कि पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक उमेश साहू के सतना पदस्थ होने के बाद से विभागीय कामकाज में कई समस्याएं सामने आ रही हैं संविदाकार गौरव सिंह ने आरोप लगाया कि कार्यालय में कमीशनखोरी बढ़ गई है और ठेकेदारों पर दबाव बनाने के लिए माप पुस्तिका (एमबी) में कटौती की जाती है

उनका कहना है कि इससे निर्माण कार्यों की लागत प्रभावित हो रही है । ठेकेदारों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी भुगतान समय पर नहीं किया जाता उन्होंने मांग की है कि रनिंग बिल और पूर्ण किए गए कार्यों का भुगतान निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए उनका कहना है कि बजट का हवाला देकर अधिकारियों से भी शिकायत की गई है लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है इसी कारण ठेकेदारों को आंदोलन का

रास्ता अपनाना पड़ा। धरना शुरू करने से पहले ठेकेदारों ने पीएमजीएसवाई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र सौंपकर आठ सूत्रीय मांगें रखी हैं इसमें सबसे प्रमुख मांग पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक को सतना से हटाने की है इसके अलावा विभाग में कथित कमीशनखोरी समाप्त करने, ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने और स्थानीय ठेकेदारों को समान अवसर उपलब्ध कराने की मांग की गई है । ठेकेदारों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी भुगतान समय पर नहीं किया जाता उन्होंने मांग की है कि रनिंग बिल और पूर्ण किए गए कार्यों का भुगतान निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए उनका कहना है कि बजट का हवाला देकर अधिकारियों से भी शिकायत की गई है लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है इसी कारण ठेकेदारों को आंदोलन का

असर पड़ता है।
निर्माण सामग्री और बाजार दर के अनुसार रेट संशोधन की मांग: ठेकेदारों ने यह भी मांग की है कि बाजार में बढ़ती निर्माण सामग्री की कीमतों को देखते हुए विभागीय दरों में संशोधन किया जाए। उनका कहना है कि वर्तमान दरों पर गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण करना कठिन हो रहा है यदि समय-समय पर बाजार दर के अनुसार रेट में बदलाव किया जाए तो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बेहतर रखी जा सकती है।
सड़कों के नुकसान और अधिकारियों की आपत्तियों का मुद्दा: ठेकेदारों ने जल संवर्धन योजनाओं और नहर निर्माण कार्यों के दौरान भारी वाहनों एवं मशीनों के आवागमन से ग्रामीण सड़कों को होने वाले नुकसान का मुद्दा भी उठाया है उनका कहना है कि कई बार अन्य विभागों के कार्यों के कारण सड़कें खराब हो जाती हैं लेकिन

इसकी जिम्मेदारी भी ठेकेदारों पर डाल दी जाती है और भुगतान में कटौती की जाती है उन्होंने मांग की है कि निर्माण कार्यों के दौरान अधिकारियों द्वारा लगाई जाने वाली अनावश्यक आपत्तियों पर रोक लगाई जाए साथ ही ठेकेदारों, उनके कर्मचारियों और मशीनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए ठेकेदारों ने कहा कि उनकी मांगें किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि विभागीय व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता लाने के लिए हैं उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। फिलहाल ठेकेदार पीएमजीएसवाई कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हुए हैं मामले में विभागीय अधिकारियों की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है अब सभी की नजरें प्रशासन और विभाग के अगले कदम पर टिकी हैं।

मिशन कर्मयोगी के तहत 31 दिसंबर तक होंगे 'कर्मयोगी कर्तव्य' प्रशिक्षण, आईगोट पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य
मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में लोकसेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने और नागरिक केंद्रित प्रशासन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत 'कर्मयोगी कर्तव्य' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि सभी प्रशिक्षण कार्यशालाएं 31 दिसंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाएं। कलेक्टर ने बताया कि मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य लोकसेवकों में सेवा भावना, जिम्मेदारी और जनहित के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है इसके अंतर्गत अधिकारियों और कर्मचारियों को आईगोट पोर्टल के माध्यम से डिजिटल लर्निंग और व्यवहारगत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशासनिक दक्षता, कार्य संस्कृति और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विषयों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यशाला की अवधि लगभग 4 घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है इसमें शामिल होने वाले सभी प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों का आईगोट पोर्टल पर पंजीयन एवं सक्रिय होना अनिवार्य रहेगा पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी जिससे लोकसेवक अपनी क्षमता और कार्यशैली में सुधार कर सकेंगे। कलेक्टर ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि जिला, तहसील और विकासखंड स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कार्ययोजना शीघ्र तैयार की जाए इसके लिए कार्यालयों में कार्यरत क्लास-1, क्लास-2, क्लास-3 और संविदा लोकसेवकों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में तैयार कर एक सप्ताह के भीतर एनआईसी, सीधी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी एकसले फॉर्मेट के साथ हार्ड कॉपी में भी उपलब्ध करानी होगी, ताकि प्रशिक्षण की प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जा सके कलेक्टर ने कहा कि समय पर जानकारी उपलब्ध होने से सभी लोकसेवकों का आईगोट पोर्टल पर पंजीयन जल्द पूरा हो सकेगा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 350 से अधिक लोगों की समस्याएं, समयबद्ध निराकरण के लिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 350 से अधिक आवेदकों की शिकायतें और मांगें सुनीं उन्होंने सभी प्रकरणों का गंभीरता से अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और

गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का निपटारा केवल औपचारिक प्रक्रिया न रहे बल्कि पात्र आवेदकों को वास्तविक गहट मिलनी चाहिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है उनमें तत्काल कार्रवाई की जाए जबकि जटिल प्रकरणों की निर्धारित समय-सीमा में जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए

कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ लिया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को उसकी समस्या का त्वरित समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और तय समय के भीतर उनकी समस्याओं का समाधान हो। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों पर अधिकारियों ने आवेदकों से सीधे चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की और नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से 54 पथ विक्रेताओं को मिला ऋण, स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गहरी पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत मंगलवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य शाखा सीधी में मेगा ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश और मुख्य नगर पालिका अधिकारी महमूद हसन

के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 54 पात्र पथ विक्रेताओं को ऋण स्वीकृत कर वितरित किया गया। शिविर में हितग्राहियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, ऋण प्रक्रिया, समय पर भुगतान के लाभ और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उद्देश्य छोटे व्यापारियों और सड़क किनारे व्यवसाय करने

वाले पथ विक्रेताओं को आसान ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है ताकि वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। एसबीआई मुख्य शाखा के शाखा प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार राय ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऋण राशि का सही उपयोग कर व्यवसाय को मजबूत किया जा सकता है उन्होंने समय पर ऋण अदायगी के महत्व को समझाते हुए बताया कि नियमित भुगतान करने वाले हितग्राहियों को भविष्य में अधिक ऋण सीमा का लाभ मिल सकता है साथ ही उन्होंने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत उपलब्ध ब्याज अनुदान की जानकारी भी दी।

सीधी जिले में अब तक 137.7 मिमी औसत बारिश दर्ज, पिछले साल की तुलना में 187.8 मिमी कम वर्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मानसून की स्थिति को लेकर भू-अभिलेख एवं भू-संसाधन प्रबंधन विभाग ने वर्षा के आंकड़े जारी किए हैं। जिले में 7 जुलाई तक कुल 137.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है वहीं मंगलवार 7 जुलाई को जिले में 51.6 मिलीमीटर औसत बारिश रिकॉर्ड की गई इस दौरान सिहावल तहसील में सबसे अधिक 99.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई तहसीलवार जारी आंकड़ों के अनुसार 7 जुलाई को गोपद बनास में 66.4 मिलीमीटर, मझौली में 58.0 मिलीमीटर, चुरहट में 40.0 मिलीमीटर, बहरी में 38.4 मिलीमीटर, रमपुर नैकिन में 31.5 मिलीमीटर तथा कुसमी में 27.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। विभाग के अनुसार 1 जून से

7 जुलाई 2026 तक जिले में कुल 137.7 मिलीमीटर औसत वर्षा हो चुकी है इस अवधि में सिहावल तहसील में सर्वाधिक 191.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है इसके अलावा मझौली में 162.0 मिलीमीटर, कुसमी में 159.2 मिलीमीटर, गोपद बनास में 139.6 मिलीमीटर, बहरी में 114.4 मिलीमीटर, चुरहट में 108.3 मिलीमीटर तथा रमपुर नैकिन में 88.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 325.5 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई थी इसकी तुलना में इस वर्ष अब तक 187.8 मिलीमीटर कम बारिश हुई है कम वर्षा के चलते किसानों और कृषि गतिविधियों पर भी असर पड़ने की संभावना बनी हुई है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम: असाक्षर वयस्कों को साक्षर बनाने संस्था प्रमुखों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप जिले में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के असाक्षर वयस्कों को साक्षर बनाने के उद्देश्य से उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई कुसमी विकासखंड में आयोजित इस प्रशिक्षण में संस्था प्रमुखों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम के प्रभावी संचालन एवं असाक्षर व्यक्तियों को साक्षरता से जोड़ने के लिए आवश्यक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यशाला का

आयोजन जन शिक्षा केंद्र जूरी, कुसमी एवं मझिगवां के अंतर्गत आने वाले सभी संस्था प्रमुखों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए किया गया कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विकासखंड क्षेत्र में ऐसे वयस्कों की पहचान करना है जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं या शिक्षा की निर्धारित आयु पार कर चुके हैं ऐसे लोगों को मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से जोड़कर उन्हें नियमित अध्ययन के माध्यम से शिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला में प्रतिभागियों को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के विभिन्न उद्देश्यों

और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई प्रशिक्षण में बताया गया कि केवल पढ़ना-लिखना और गणना करना ही नहीं, बल्कि वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, कानूनी जानकारी, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, परिवार कल्याण, बच्चों की देखभाल एवं शिक्षा, आपदा प्रबंधन और व्यावसायिक कौशल जैसे जीवन उपयोगी विषयों को भी साक्षरता अभियान में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे वयस्क, जिनके पास साक्षरता का कोई प्रमाण-पत्र नहीं है या जिनकी प्रारंभिक शिक्षा अधूरी रह गई है उन्हें इस

कार्यक्रम के माध्यम से साक्षर बनाकर प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा साथ ही इच्छुक शिक्षार्थियों को आगे की शिक्षा जारी रखने और कक्षा पांचवीं स्तर की परीक्षा में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा। प्रशिक्षण के दौरान बीआरसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक असाक्षर व्यक्ति का सर्वेक्षण गंभीरता से किया जाए उन्होंने नियमित अध्ययन केंद्रों का संचालन सुनिश्चित करने और सभी पात्र व्यक्तियों को साक्षरता अभियान से जोड़ने पर जोर दिया।

हर छात्र कॉलेज तक अभियान, कॉलेज चलो अभियान के द्वितीय चरण में विद्यार्थियों को दी उच्च शिक्षा की जानकारी



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने और उन्हें कॉलेज शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय, दिव्यागवा, जिला रीवा द्वारा 'कॉलेज चलो अभियान' के द्वितीय चरण के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में कॉलेज चलो अभियान मेले का आयोजन किया गया अभियान

का मुख्य उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसरों, प्रवेश प्रक्रिया और छात्र हितैषी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति योजनाओं, करियर मार्गदर्शन, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों और व्यक्तित्व

विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गया साथ ही विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों, पुस्तकालय सुविधा, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा मध्यप्रदेश शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। महाविद्यालय की टीम ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

हाईकोर्ट वीडियो से छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार, खुद को सुप्रीम कोर्ट का लीगल एडवाइजर बताकर किया था वायरल मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली(निप्र)। जबलपुर हाईकोर्ट की वीडियो चैट्रॉसिंग के वीडियो से छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और खुद को सुप्रीम कोर्ट का लीगल एडवाइजर बताते वाले युवक को सिंगरौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है बैद्वंथाना पुलिस ने मंगलवार को पिंपराझापी निवासी 26 वर्षीय अमित कुमार तिवारी को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया पुलिस के अनुसार मामला करीब चार माह पुराना है।

13 साल से सड़क का इंतजार, कलेक्ट्रेट गेट पर दंडवत लेटकर सरपंच पति ने जताया विरोध; प्रशासन ने दिया कार्रवाई का भरोसा



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के ग्राम काम महेला, ओंकरवालाखंड और पोस्ट निवारा के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी सड़क की मांग मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन के बाद चर्चा में आ गई सड़क निर्माण नहीं

होने से नाराज सरपंच पति संजय कुमार वर्मा कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर दंडवत लेट गए। उनके इस अनोखे विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर ज्ञापन लिया। अधिकारियों ने मामले की जांच



कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि गांव को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और तिलैया मार्ग से जोड़ने वाली संपर्क सड़क का निर्माण लगभग 13 वर्ष पहले स्वीकृत किया गया

था इसके बावजूद आज तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की मांग को लेकर वे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा रहे हैं लेकिन अब तक उन्हें केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति बेहद खराब हो जाती है कच्चा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे गांव के लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है सबसे अधिक समस्या स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों को होती है कई बार आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भी

परेशानी को देखते हुए मजबूरी में विरोध का रास्ता अपनाना पड़ा। वहीं सरपंच पति संजय कुमार वर्मा ने कहा कि उन्होंने कई बार सड़क निर्माण के लिए आवेदन दिए लेकिन सुनवाई नहीं हुई उन्होंने बताया कि दंडवत लेटकर विरोध करने का उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं बल्कि प्रशासन का ध्यान गांव की गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना है। उनकी मांग केवल इतनी है कि ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सके और सड़क निर्माण जल्द शुरू हो। प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों का ज्ञापन लिया और मामले को संबंधित विभाग के माध्यम से जांच कराने का आश्वासन दिया।

भुईमाड़ थाना परिसर में प्रधान आरक्षक पर लाठी से हमला, सिर में लगे 8 टांके; आरोपी गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के भुईमाड़ थाना परिसर में सोमवार दोपहर एक युवक ने प्रधान आरक्षक पर लाठी से हमला कर दिया हमले में प्रधान आरक्षक बलबीर निखरे गंभीर रूप से घायल हो गए उनके सिर में गहरी चोट आई जिसके बाद उपचार के दौरान सिर पर आठ टांके लगाए गए पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सीधी थाना आरक्षक बलबीर निखरे थाना प्रभारी कक्ष में अन्य पुलिसकर्मियों के साथ विभागीय कार्य कर रहे थे इसी

दौरान थाना क्षेत्र के गैवटा निवासी 22 वर्षीय ओमप्रकाश दुबे लाठी लेकर थाना परिसर पहुंचा उसने थाना प्रभारी कक्ष के बाहर लगी खिड़की पर डंडे से प्रहार करना शुरू कर दिया और गाली-गलौज करने लगा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने युवक को समझाने का प्रयास किया इसी दौरान शोर सुनकर प्रधान आरक्षक बलबीर निखरे बाहर आए आरोपी ने कि युवक ने पहले उनके पैर पर और फिर सिर पर लाठी से हमला कर दिया अचानक हुए हमले से थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई अन्य पुलिसकर्मियों ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया घायल प्रधान आरक्षक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिर में आठ टांके लगाए गए बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

विश्वास बहाली जरूरी:पारदर्शिता हेतु कठोर फैसले लेने से न चूके ट्रस्ट

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्रार्थमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों

से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्रार्थमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि

कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के

सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा

चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि

इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसे में अब ट्रस्ट को कठोर फैसले लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखानी चाहिए। निस्संदेह, समय रहते यदि ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने चंदा प्रकरण में संवेदनशीलता के साथ कड़ी निगाह रखी होती तो यह बड़ा विवाद न खड़ा होता। शुरुआती दौर में जब मामले की सुगबुगाहट सामने आई तो तभी ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। ऐसे में ट्रस्ट के पदाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं।

धर्म का धन : श्रद्धा की अमानत,

स्वार्थ का साधन नहीं

श्रमण डॉ पुणेन्द्र

समाज की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह उसकी आस्था है। धन, सत्ता, ज्ञान और संसाधन समय के साथ बदल सकते हैं, परंतु जिस समाज की आस्था जीवित रहती है, वह समाज हर संकट से उबरने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि मंदिर, स्थानक, तीर्थ, उपाश्रय और धर्मस्थल केवल ईंट-पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, तप, त्याग और विश्वास के जीवंत केंद्र होते हैं। एक श्रद्धालु जब धर्मस्थल में प्रवेश करता है, तो वह केवल पूजा करने नहीं आता; वह अपने मन की व्यथा, आशा, कृतज्ञता और विश्वास भी वहीं अर्पित करता है। उसकी दक्षिणा केवल मुद्रा नहीं होती, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, उसके परिवार का विश्वास और धर्म के प्रति उसका समर्पण होता है। इसलिए धर्मस्थलों में आने वाला प्रत्येक अंश समाज की अमानत है। दुर्भाग्य तब उत्पन्न होता है, जब धर्म के नाम पर प्राप्त धन या संसाधनों का उपयोग धर्म के उद्देश्य से हटकर व्यक्तिगत लाभ, वैभव, प्रतिष्ठा या स्वार्थ के लिए होने लगे। यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं होती, बल्कि समाज की आस्था पर कुटाराघात होता है। जिस धन में हजारों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी हों, उसका दुरुपयोग केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि आत्मा और अंतरात्मा का भी विषय है। इतिहास साक्षी है कि धर्म का धन कभी किसी को स्थायी सुख नहीं दे पाया। जो संपत्ति छल, विश्वासघात या धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके अर्जित होती है, वह बाहर से भले वैभव का प्रदर्शन करे, पर भीतर शांति नहीं दे सकती। भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि अनुचित साधनों से प्राप्त धन अंततः विनाश का कारण बनता है। धर्म के धन के संदर्भ में यह बात और भी अधिक सत्य प्रतीत होती है, क्योंकि उसमें केवल धन नहीं, असंख्य लोगों की श्रद्धा समाहित होती है। जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने मानवता को संयम, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का अमूल्य संदेश दिया। इनमें अपरिग्रह का सिद्धांत विशेष रूप से आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। अपरिग्रह का अर्थ केवल अधिक वस्तुएं न रखना नहीं है; इसका वास्तविक अर्थ है-लोभ, स्वार्थ, संग्रह की मानसिकता और अधिकार के दुरुपयोग से स्वयं को मुक्त करना। यदि धर्म से जुड़े व्यक्ति ही अपरिग्रह को भूल जाएं और धर्म को संग्रह, प्रभाव या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन बना लें, तो भगवान महावीर के संदेश का सार ही समाप्त हो जाता है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसके अहंकार को छोटा करना है। धर्म हमें अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व सिखाता है; संग्रह नहीं, समर्पण सिखाता है; स्वार्थ नहीं, सेवा का मार्ग दिखाता है। धर्मस्थलों का निर्माण समाज के सहयोग से होता है। एक गरीब व्यक्ति अपनी छोटी-सी बचत से दान देता है, कोई किसान अपनी उपज का अंश अर्पित करता है, कोई व्यापारी अपनी आय का हिस्सा धर्मकार्य में लगाता है। सभी की भावना एक ही होती है-धर्म जीवित रहे, संस्कृति सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इन मूल्यों से जुड़ी रहें। ऐसे में यदि उस विश्वास को ठेस पहुँचती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज आहत होता है। आज आवश्यकता आरोप लगाने या विवाद बढ़ाने की नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि की है। धर्मस्थलों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए। आय-व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा, समाज के प्रति जवाबदेही और धर्म के उद्देश्य के अनुरूप संसाधनों का उपयोग-ये केवल प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि धार्मिक मर्यादाएँ हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि धर्म की रक्षा केवल दान देने से नहीं होती, बल्कि धर्म की मर्यादाओं की रक्षा करने से होती है। जहाँ पारदर्शिता है, वहाँ विश्वास बढ़ता है; जहाँ विश्वास बढ़ता है, वहाँ धर्म फलता-फूलता है। यदि कहीं त्रुटि दिखाई दे, तो उसका समाधान भी धर्मसम्मत, संयमित और संवास्पपूर्ण तरीके से होना चाहिए। कटुता, आरोप और वैमनस्य किसी भी धार्मिक वातावरण को शुद्ध नहीं बना सकते। हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि व्यक्ति से बड़ा धर्म है, पद से बड़ी मर्यादा है और संस्था से बड़ी आस्था है। व्यक्ति बदल सकते हैं, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, परंतु धर्म और उसकी प्रतिष्ठा अखुण्ण रहनी चाहिए।

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत को सदियों से मातृशक्ति की पूजा करने वाली सभ्यता माना जाता है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात् जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। किंतु विडंबना यह है कि आधुनिक विज्ञान की प्रगति का कुछ लोगों ने दुरुपयोग कर कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय अपराध को जन्म दिया अल्ट्रासोनोग्राफी जैसी तकनीक, जिसका उद्देश्य गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की रक्षा करना था,उसे भ्रूण के लिंग का अवैध परीक्षण कर बेटीयों के जन्म से पहले ही उनका जीवन समाप्त करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि संविधान, मानवाधिकार, महिला सम्मान और मानवता पर सीधा प्रहार है।इसी गंभीर सामाजिक चुनौती से निपटने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1994 में प्री-कन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (पीसीपीएनडीटी एक्ट) लागू किया,जिसे वर्ष 2003 में और अधिक कठोर बनाया गया। इस कानून का मूल उद्देश्य स्पष्ट है,गर्भधारण से पहले या गर्भावस्था के दौरान किसी भी प्रकार का लिंग चयन अथवा भ्रूण का लिंग बताना पूर्णतः प्रतिबंधित है। कानून केवल डॉक्टरों पर ही नहीं, बल्कि ऐसे पूरे तंत्र पर लागू होता है जो अवैध लिंग परीक्षण या कन्या भ्रूण हत्या में किसी भी रूप में शामिल हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि हाल के वर्षों में महाराष्ट्र सहित देश के अनेक राज्यों में सामने आए मामलों ने यह संकेत दिया है कि लिंग परीक्षण का अवैध कारोबार अब केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं रह गया है। इसमें दलाल,एजेंट,अवैध सोनोग्राफी के द्र,नकली दस्तावेज तैयार करने वाले लोग तथा आर्थिक लाभ के लिए संगठित रूप से काम करने वाले गिरोह शामिल पाए जा रहे हैं।विशेष रूप से पुणे में सामने आए चर्चित प्रकरण ने पूरे राज्य और देश का ध्यान आकर्षित किया। विधानसभा में इस मामले का उल्लेख करते हुए कई जनप्रतिनिधियों ने इसे संगठित अपराध की श्रेणी में रखने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि केवल डॉक्टर को दंडित करने से समस्या का समाधान नहीं होगा,बल्कि पूरे अपराधी नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा।इसी पृष्ठभूमि में 1 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट संकेत दिए कि सरकार



पीसीपीएनडीटी कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है।उन्होंने कहा कि यदि कोई गिरोह बार-बार अवैध लिंग परीक्षण और डॉक्टरों पर ही नहीं, बल्कि ऐसे पूरे तंत्र पर लागू होता है जो अवैध लिंग परीक्षण या कन्या भ्रूण हत्या में किसी भी रूप में शामिल हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र सहित देश के अनेक राज्यों में सामने आए मामलों ने यह संकेत दिया है कि लिंग परीक्षण का अवैध कारोबार अब केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं रह गया है। इसमें दलाल,एजेंट,अवैध सोनोग्राफी के द्र,नकली दस्तावेज तैयार करने वाले लोग तथा आर्थिक लाभ के लिए संगठित रूप से काम करने वाले गिरोह शामिल पाए जा रहे हैं।विशेष रूप से पुणे में सामने आए चर्चित प्रकरण ने पूरे राज्य और देश का ध्यान आकर्षित किया। विधानसभा में इस मामले का उल्लेख करते हुए कई जनप्रतिनिधियों ने इसे संगठित अपराध की श्रेणी में रखने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि केवल डॉक्टर को दंडित करने से समस्या का समाधान नहीं होगा,बल्कि पूरे अपराधी नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा।इसी पृष्ठभूमि में 1 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट संकेत दिए कि सरकार

वर्ष तक की सजा तथा अधिक जुर्माना लगाया जा सकता है। संबंधित चिकित्सक का पंजीकरण निलंबित या रद्द किया जा सकता है तथा सोनोग्राफी केंद्र का लाइसेंस भी समाप्त किया जा सकता है। किंतु प्रश्न यह है कि यदि अपराध संगठित रूप से किया जा रहा हो, तो क्या इतनी सजा पर्याप्त है? यही प्रश्न आज राष्ट्रीय बहस का विषय बन चुका है।

साथियों, वास्तव में कन्या भ्रूण हत्या का प्रभाव केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता। इसका दुष्परिणाम पूरे समाज पर पड़ता है। जब बाल लिंगानुपात लगातार असंतुलित होता है,तब भविष्य में विवाह योग्य महिलाओं की संख्या घटती है, जिससे मानव तस्करी,जबरन विवाह महिलाओं के विरुद्ध अपराध और सामाजिक अस्तुलन जैसी गंभीर समस्याएँ जन्म लेती हैं। इसलिए यह केवल स्वास्थ्य आधारित कार्रवाई की जाती है, उसी प्रकार अवैध लिंग परीक्षण के नेटवर्क पर भी प्रहार आवश्यक है।यह भी ध्यान रखना होगा कि सभी चिकित्सकों को संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। देश के अधिकांश डॉक्टर कानून का पालन करते हैं और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतः कार्रवाई केवल उन्हीं व्यक्तियों और संस्थानों पर होनी चाहिए जो जानबूझकर कानून का उल्लंघन करते हैं। इससे ईमानदार चिकित्सा

दूसरी ओर अवैध लिंग परीक्षण का कारोबार चलता रहेगा, तो इन सभी प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित हो जाएगी। इसलिए कानून और सामाजिक जागरूकता दोनों का समान महत्व है। साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि अब समय आ गया है जब केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय अपराध की पूरी श्रृंखला को समाप्त करने की रणनीति अपनाई जाए।इसमें डिजिटल रिकॉर्ड, अल्ट्रासाउंड मशीनों की ट्रैकिंग,कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, अंतरराज्यीय समन्वय, वित्तीय लेन-देन की जांच और मुखबिर तंत्र को मजबूत करना जैसे उपाय अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। जिस प्रकार मादक पदार्थों की तस्करी, हवाला, मानव तस्करी और संगठित अपराध के विरुद्ध नेटवर्क आधारित कार्रवाई की जाती है, उसी प्रकार अवैध लिंग परीक्षण के नेटवर्क पर भी प्रहार आवश्यक है।यह भी ध्यान रखना होगा कि सभी चिकित्सकों को संदेह की दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। देश के अधिकांश डॉक्टर कानून का पालन करते हैं और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतः कार्रवाई केवल उन्हीं व्यक्तियों और संस्थानों पर होनी चाहिए जो जानबूझकर कानून का उल्लंघन करते हैं। इससे ईमानदार चिकित्सा

समुदाय का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा और दोषियों को कठोर दंड भी मिलेगा।

साथियों, न्यायिक प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। यदि गंभीर मामलों में वर्षों तक मुकदमे लंबित रहेंगे,तो कानून का भय कम हो जाएगा। इसलिए ऐसे मामलों के लिए विशेष अदालतें,समयबद्ध सुनवाई, वैज्ञानिक साक्ष्य और प्रभावी अभियोजन व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। दोषसिद्धि की दर बढ़ेगी तो अपराध स्वतःकम होगा।राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय भी अत्यंत आवश्यक है। कईद बार अपराधी एक राज्य में पंजीकरण कर दूसरे राज्य में अवैध गतिविधियाँ संचालित करते हैं। ऐसे मामलों में साझा डिजिटल डेटाबेस, संयुक्त जांच और नियमित सूचना आदान-प्रदान से अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

साथियों, समाज की मानसिकता में परिवर्तन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कानून। जब तक पुत्र और पुत्री के बीच भेदभाव की सोच समाप्त नहीं होगी, तब तक केवल कानूनी कठोरता पर्याप्त नहीं होगी। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएँ, सामाजिक संगठन, मीडिया और जनप्रतिनिधियों को मिलकर यह संदेश देना होगा कि बेटी बोज़ नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की समान भागीदार है।यदि महाराष्ट्र सरकार द्वारा विचाराधीन कठोर कदम प्रभावी रूप से लागू होते हैं और अन्य राज्य भी उनसे प्रेरणा लेते हैं, तो यह पूरे देश के लिए एक नया मॉडल बन सकता है। इससे स्पष्ट संदेश जाएगा कि कन्या भ्रूण हत्या केवल चिकित्सा नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध गंभीर अपराध है, जिसके लिए किसी भी प्रकार की नरमी स्वीकार नहीं की जाएगी।

अतः ग्राम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें! इसका विश्लेषण करें! तो हम पाएंगे के कहा जा सकता है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक बेटी को जन्म लेने, जीने, शिक्षा प्राप्त करने और सम्मानपूर्वक आगे बढ़ने का समान अवसर मिलेगा। पीसीपीएनडीटी अधिनियम केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की बेटीयों के जीवन, समानता और गरिमा की रक्षा का संवैधानिक संकल्प है। यदि इस कानून का कठोर, पारदर्शी और निष्पक्ष क्रियान्वयन आधुनिक तकनीक, सामाजिक जागरूकता और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था के साथ किया जाए, तो वह दिन दूर नहीं जब अवैध लिंग परीक्षण और कन्या भ्रूण हत्या जैसे अपराध इतिहास का विषय बन जाएंगे।

जींद से देश को मिलेगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन



भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बड़ा मील का पथर

साबित होने जा रहा है।भारत अब जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाइड्रोजन ट्रेन वाला आठवां देश बन जायेगा जिसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।हरियाणा के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 जुलाई को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह केवल एक नई रेल सेवा की शुरुआत नहीं, बल्कि भारत के हरित भविष्य, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता का प्रतीक भी है।

सौरम वर्षाण्य

हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन के साथ भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जिन्होंने स्वच्छ ईंधन आधारित रेल परिवहन को अपनाया है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस और स्वीडन जैसे विकसित देशों के बाद भारत हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अपनाने वाला आठवां देश बनने जा रहा है। यह उपलब्धि भारत की बढ़ती तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगी।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन? हाइड्रोजन ट्रेन ऐसी रेलगाड़ी होती है जो डीजल के स्थान पर हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग करती है। इसमें हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के माध्यम से बिजली उत्पन्न की जाती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा उत्पादन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं होता, बल्कि केवल जलवाष्प और पानी निकलता है। यही कारण है कि इसे पर्यावरण के अनुकूल और भविष्य की परिवहन प्रणाली माना जा रहा है।

विश्व भर में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधनों पर

निर्भरता को कम करने के लिए हाइड्रोजन ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रेलवे भी वर्ष 2030 तक नेट-जिरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, जिसमें हाइड्रोजन ट्रेनें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारतीय रेलवे के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रेल कोच फैक्टरी

(आईसीएफ) में तैयार किए गए हैं। इस परियोजना का सफल परीक्षण भी पूरा हो चुका है, जिससे इसके सुरक्षित और प्रभावी संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। रेलवे विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों की तुलना में अधिक पर्यावरण-अनुकूल होने के साथ-साथ कम शोर उत्पन्न करती है। इसके संचालन से ईंधन आगत पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी तकनीक को भी बढ़ावा मिलेगा।

यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रीन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

हरियाणा के विकास को मिलेगा नया आयाम

जींद से हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन का निर्णय हरियाणा के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इससे प्रदेश की औद्योगिक, आर्थिक और तकनीकी पहचान को नई मजबूती मिलेगी। रेलवे

अवसरचंका के विकास से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएँ बढ़ेंगी, रोजगार के आधुनिक समाधानों का निर्माता भी बनकर उभर रहा है। सेमीकंडक्टर,

हरियाणा पहले से ही ऑटोमोबाइल, विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है। अब स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन प्रणाली के जुड़ने से राज्य आधुनिक तकनीक और हरित विकास का केंद्र बन सकता है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम

वर्तमान समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। परिवहन क्षेत्र कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा स्रोत है। ऐसे में हाइड्रोजन आधारित रेल सेवाएँ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती हैं।

हाइड्रोजन ट्रेनें न केवल वायु प्रदूषण को कम करेंगी, बल्कि ध्वनि प्रदूषण में भी कमी लाएंगी। इनके व्यापक उपयोग से जीवाश्म ईंधनों की खपत घटेगी और ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा

हाइड्रोजन ट्रेन का सफल संचालन भारत की तकनीकी क्षमता और अनुसंधान कोशल का परिचायक है।

आज भारत केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार और आधुनिक समाधानों का निर्माता भी बनकर उभर रहा है। सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के बाद हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना भारत की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रही है।

यह पहल विश्व समुदाय को भी यह संदेश देती है कि भारत आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध है।

जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ भारतीय रेलवे के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सतत विकास के भारत के संकल्प का प्रतीक है। आने वाले समय में यदि हाइड्रोजन तकनीक का विस्तार व्यापक स्तर पर होता है, तो भारत न केवल परिवहन क्षेत्र में क्रांति ला सकेगा, बल्कि वैश्विक हरित अर्थव्यवस्था में भी अग्रणी भूमिका निभा सकेगा। 17 जुलाई का दिन भारतीय रेलवे और हरियाणा दोनों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि का साक्षी बनने जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन और हाईकोर्ट के लंबित मामलों पर कलेक्टर सख्त, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में लंबित जनशिकायतों, न्यायालयीन प्रकरणों और शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों को सख्त कटेड्टे सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन, सुशासन तिहार, हाईकोर्ट के लंबित मामलों और एल-01 स्तर के सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों का निपटारा केवल औपचारिकता न होकर आम नागरिकों को वास्तविक राहत देने वाला होना चाहिए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, सभी एसडीएम,



जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे कलेक्टर ने कहा कि एल-01 स्तर के मामलों की जवाबदेही संबंधित जिला अधिकारियों की होगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संभावित सूखे से निपटने की तैयारी के निर्देश: बैठक में संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए सभी विभागों को समन्वित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए जल संसाधन

विभाग को जिले के तालाबों, नहरों, एनीकट और स्टॉप डैम का सर्वे कर 20 प्रमुख जलाशयों की वर्तमान स्थिति का आकलन करने और विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया जल जीवन मिशन के तहत पुराने हैंडपंपों के पास रिचार्ज सर्वंचाएं विकसित करने तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया ।

एग्रीस्टैक, पीएम किसान और केसीसी पर फोकस: कलेक्टर ने कृषि विभाग को एग्रीस्टैक का कार्य शीघ्र पूरा

करने, किसानों को रागी, उड़द, अरहर और तिलहन जैसी फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने तथा 132 हेक्टेयर दलहन-तिलहन विस्तार लक्ष्य के अनुरूप कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), नए केसीसी पंजीयन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण में तेजी लाने को कहा।

पीडीएस और ई-केवाईसी कार्य जल्द पूरा करें: खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पीओएस मशीनों का वितरण शीघ्र पूरा करने, सभी हितग्राहियों की ई-केवाईसी और आधार सीडिंग पूर्ण करने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने के निर्देश दिए छह पहुंचविहीन उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान भंडारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

हाईकोर्ट और सुशासन तिहार के मामलों पर विशेष

निगरानी: कलेक्टर ने हाईकोर्ट में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य, जनपद पंचायत, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम चिरमिरी और आदिवासी विकास विभाग को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए वहीं सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों और मांगों के निराकरण में क्रेडा, विद्युत विभाग, नगर पंचायत नई लेदरी, झगराखांड, मनेंद्रगढ़, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को प्राथमिकता से लंबित प्रकरणों का निपटारा करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान योजना और शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा: बैठक में आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, प्री-आॅथराइजेशन, क्लेम और भुगतान प्रक्रिया की समीक्षा की गई आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के भी निर्देश दिए गए।

तेज बारिश से सिवनी मालवा जलमग्न, मुख्य मार्ग पर दो फीट तक भरा पानी, आवागमन प्रभावित



मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी मालवा में सोमवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली और करीब साढ़े सात बजे शुरू हुई तेज बारिश ने नगर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी दिनभर की उमस के बाद हुई मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मुख्य सड़कों पर दो फीट तक पानी भर जाने से लोगों और जलभराव का भारी परेशानी का सामना करना पड़ा कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं और यातायात प्रभावित रहा। सबसे अधिक जलभराव नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित स्टेट बैंक कॉलोनी और न्यायालय के मुख्य द्वार के सामने देखने को मिला यहां सड़क पर करीब दो फीट तक

पानी जमा हो गया जलभराव के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को पानी के बीच से गुजरना पड़ा जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रही कई वाहन धीमी गति से चलते दिखाई दिए, जबकि कुछ स्थानों पर लोगों को पैदल निकलने में भी कठिनाई हुई। बारिश के दौरान नालियों का पानी सड़कों पर फैल गया, जिससे मुख्य मार्गों पर लंबे समय तक जलभराव बना रहा स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। बालाराम पटेल कॉलोनी निवासी कल्लू रघुवंशी ने बताया कि नगर की नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के

कारण बारिश का पानी आसानी से नहीं निकल पाता परिणामस्वरूप थोड़ी देर की तेज बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं उनका कहना है कि जल निकासी व्यवस्था की अनदेखी के कारण नागरिकों को हर मानसून में परेशानी झेलनी पड़ती है स्थानीय नागरिकों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए नालियों की समय पर सफाई कराई जाए और जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक सुधार कार्य किए जाएं तो बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से काफी हद तक राहत मिल सकती है। बारिश से मौसम जरूर सुहावना हो गया और लोगों को उमस से राहत मिली लेकिन नगर की जल निकासी व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए। नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आगामी दिनों में होने वाली लगातार बारिश के दौरान हालात और गंभीर हो सकते हैं।

बरबसपुर ने लिया स्वच्छ गांव बनाने का संकल्प, चौपाल में ग्रामीणों को सिखाया कचरा पृथक्करण



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की ग्राम पंचायत बरबसपुर में मंगलवार को स्वच्छता चौपाल का आयोजन किया गया ‘ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026’ के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, शासकीय कर्मचारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया

ग्राम पंचायत भवन में आयोजित चौपाल के दौरान ग्रामीणों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के उद्देश्य, महत्व और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई वक्ताओं ने बताया कि घरों और सार्वजनिक स्थानों से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण और उचित प्रबंधन स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण की आधारशिला है इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संक्रमक बीमारियों की रोकथाम और बेहतर जीवनशैली को भी

बढ़वा मिलता है। कार्यक्रम में ग्रामीणों को कचरे के चार प्रकारों- गीला कचरा, सूखा कचरा, घरेलू हानिकारक कचरा तथा स्वच्छता संबंधी अपशिष्ट-को अलग-अलग एकत्रित करने की व्यवहारिक जानकारी दी गई अधिकारियों ने बताया कि यदि प्रत्येक परिवार अपने घर से ही कचरे का पृथक्करण शुरू कर दे तो गांव में कचरा प्रबंधन व्यवस्था अधिक प्रभावी और व्यवस्थित हो सकती है। स्वच्छता चौपाल में लोगों से अपील की गई कि वे सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाएं, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें तथा स्वच्छता अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं ग्रामीणों ने भी इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाने और नियमित रूप

से स्वच्छता गतिविधियों में सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई सभी ने अपने गांव को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच सोनमती, उपसरपंच शुभश्रु शर्मा, पंचायत, शिक्षाकाण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य सचिव, रोगप्रार सहायक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे ग्रामीणों ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही स्वच्छता अभियान को स्थायी सफलता मिल सकती है।

समय पर बीज-उर्वरक मिलने से किसान बलराम की खरीफ तैयारी पूरी, सहकारी समिति बनी खेती की मजबूत सहारा



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खरीफ सीजन में समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरकों की उपलब्धता किसानों के लिए सबसे बड़ी जरूरत होती है एमसीबी जिले के ग्राम लालपुर निवासी किसान बलराम के लिए इस बार सहकारी समिति की व्यवस्था खेती की तैयारी में बड़ी मददगार साबित हुई आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुर शाखा, मनेन्द्रगढ़ से समय पर बीज और उर्वरक मिलने से उन्होंने बिना किसी परेशानी के खरीफ फसल की बुवाई की तैयारी पूरी कर ली। किसान बलराम को समिति के माध्यम

से 30 किलोग्राम एमटीयू-1156 प्रमाणित धान बीज, छह बोरी नीम लेपित यूरिया, चार बोरी डीएपी, एक बोरी पोटाश तथा दो बोतल इफको नैनो डीएपी उपलब्ध कराया गया सभी आवश्यक कृषि आदान एक ही स्थान पर और निर्धारित समय पर मिलने से उन्हें अलग-अलग दुकानों या बाजारों के चक्कर नहीं लगाने पड़े इससे समय और श्रम दोनों की बचत हुई तथा वे तय समय पर खेत तैयार कर बुवाई की प्रक्रिया शुरू करने में सफल रहे। बलराम ने बताया कि पहले खेती के मौसम में बीज और उर्वरकों की व्यवस्था करना आसान नहीं होता था। कई बार आवश्यक सामग्री समय पर नहीं मिलने से बुवाई में देरी हो जाती थी जिससे उत्पादन पर भी असर पड़ता था। अब सहकारी समिति के माध्यम से प्रमाणित बीज और आवश्यक उर्वरक आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं इससे खेती की शुरुआत समय पर होती है और अच्छी पैदावार की उम्मीद भी बढ़ जाती है। उन्होंने राज्य सरकार और आदिम जाति सेवा सहकारी समिति का आधार व्यक्त करते हुए

कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराना एक प्रभावी किसान हितैषी पहल है इससे छोटे और सीमांत किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे बिना किसी आर्थिक या व्यवस्थागत परेशानी के खेती कर पा रहे हैं। कृषि विभाग के अनुसार सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को समय पर कृषि सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था का उद्देश्य खेती को अधिक व्यवस्थित, लाभकारी और आत्मनिर्भर बनाना है इससे किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ लागत नियंत्रण में भी मदद मिलती है। किसान बलराम की सफलता इस बात का उदाहरण है कि यदि किसानों को समय पर बीज, उर्वरक और अन्य कृषि आदान उपलब्ध कराए जाएं तो वे बेहतर योजना के साथ खेती कर सकते हैं सहकारी समितियों की यह व्यवस्था न केवल खेती को आसान बना रही है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पेट्रोल की बोतल लेकर कंट्रोल रूम पहुंची महिला, ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना और बेदखली का आरोप



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के सईसपुरा क्षेत्र में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक महिला अपने पति के साथ हाथ में पेट्रोल से भरी बोतल लेकर पुलिस कंट्रोल रूम पहुंच गई महिला ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसके हाथ से पेट्रोल की बोतल छीन ली और काफी देर तक समझाइश देकर स्थिति को शांत कराया इसके बाद पुलिस ने महिला का आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। महिला ने आरोप लगाया कि

विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा कम दहेज लाने को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा उसके अनुसार मायके से रुपए लाने का दबाव बनाया जाता था और विरोध करने पर मानसिक तथा शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था। महिला का दावा है कि उसके करीब एक लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर भी ससुराल वालों ने अपने पास रख लिए हैं जिन्हें अब लौटाने में इनकार किया जा रहा है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे और उसके पति को उनके ही घर से बेदखल करने की कोशिश की जा रही है उनका कहना है कि जिस मकान में वे रह रहे हैं उसका निर्माण उसके पति और ससुर की कमाई से हुआ था लेकिन संपत्ति की रजिस्ट्री सास के नाम कराई गई अब उसी मकान से उन्हें बाहर

निकालने का प्रयास किया जा रहा है। महिला ने आरोप लगाया कि उनके उपयोग में आने वाले कॉमन शौचालय पर भी ताला लगा दिया गया है जिससे उन्हें परेशान किया जा रहा है महिला के अनुसार 13 अप्रैल 2026 को उसके साथ मारपीट की घटना भी हुई थी। उसने पहले फिजिकल थाना और बाद में महिला थाना में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई न्याय नहीं मिलने पर वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और कार्रवाई की मांग की महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे और उसके पति को झूठे मामलों में फंसाने की धमकियां दी जा रही हैं। महिला के पति ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे लेकिन शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई उनका कहना है कि मकान के निर्माण में उनकी मेहनत और कमाई का पैसा लगा है, फिर भी उन्हें वहां से निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

मूंग खरीदी को लेकर किसानों का आंदोलन तेज, सरकार की ‘सद्बुद्धि’ के लिए किया यज्ञ, धरना दूसरे दिन भी जारी



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। समर्थन मूल्य पर मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले नर्मदापुरम में किसानों का अनिश्चितकालीन आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है आंदोलन मंगलवार को दूसरे दिन

भी जारी रहा धरना स्थल पर किसानों ने मध्य प्रदेश शासन और प्रशासन की ‘सद्बुद्धि’ के लिए यज्ञ आयोजित किया और यज्ञ कुंड में आहुतियां देकर सरकार से किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की आंदोलन के दौरान किसानों ने समर्थन मूल्य पर

पूरी मूंग खरीदी, पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी की उपलब्धता तथा कृषि संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग दोहराई। पीपल चौक पर आयोजित इस प्रतीकात्मक यज्ञ में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया सड़क पर यज्ञ कुंड बनाकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां दी गईं। किसानों का कहना था कि सरकार किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है इसलिए जनहित में यह अनूत्न विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है आंदोलनकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं बल्कि सरकार का ध्यान किसानों की वास्तविक

समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। भारतीय किसान संघ का यह अनिश्चितकालीन धरना सोमवार से शुरू हुआ है। आंदोलन के पहले दिन किसानों ने सभा आयोजित कर अपनी मांगों को लेकर रणनीति बनाई थी इसके बाद उन्होंने जेल भी आंदोलन भी किया और केंद्रीय जेल पहुंचकर स्वयं को गिरफ्तार करने की मांग की हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों को समझाइश देकर शांत कराया और वापस धरना स्थल भेज दिया इससे पहले आंदोलन के दौरान किसानों ने अपनी नागरगी जताते हुए एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह को

प्रतीकात्मक रूप से बेशर्मा का पौधा भी भेंट किया था। धरना स्थल पर किसानों ने अपने आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाए रखा है विभिन्न तहसीलों से किसान बारी-बारी से धरने में शामिल हो रहे हैं और दिन-रात वहीं डटे हुए हैं सोमवार तक हुई बारिश भी आंदोलनकारियों का हौसला नहीं डिंगा सकी। किसान वाटरप्रूफ टेंट में रातभर रुके वहीं भोजन बनाया और सामूहिक रूप से रात्रि विश्राम किया मंगलवार को इटारसी और नर्मदापुरम क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान आंदोलन में शामिल हुए और सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। भारतीय

किसान संघ के जिला सहमंत्री रजत दुबे ने बताया कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा और प्रतिदिन अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में बैल को जापन सौंपने, भैंस के आगे बीन बजाने तथा कृषि मंत्री का पुतला दहन जैसे प्रतीकात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि किसानों की मांगों को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। संभागीय मंत्री देवेंद्र पटेल ने आरोप लगाया कि जिले में किसानों ने प्रति एकड़ चार से पांच किंवदंत तक मूंग का उत्पादन किया है।

भतीजी की शादी में आए युवक की सड़क हादसे में मौत, अज्ञात वाहन चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के अमोला थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई युवक अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने गांव आया था शादी समारोह के बाद किसी काम से जाते समय उसकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया पुलिस के अनुसार अमोला केशर निवासी 35 वर्षीय इंदल पुत्र मेहरबान परिहार अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने अमोला कॉलोनी क्रमांक-1 आया था। सोमवार रात शादी संपन्न होने के बाद मंगलवार

को वह बाइक से अमोला कॉलोनी क्रमांक-2 की ओर जा रहा था। इसी दौरान कोटा-झांसी हाईवे पर उत्कर्ष होटल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी तेज थी कि इंदल की मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया राहगीरों की सूचना पर अमोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य संस्थानों के आधार पर वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

सिवनी मालवा में तेज बारिश मुख्य मार्ग पर दो फीट तक भरा पानी, सड़कें बनीं तालाब



मीडिया ऑडीटर,सिवनी मालवा (निप्र)।सिवनी मालवा में सोमवार शाम करीब 7:30 बजे अचानक मौसम बदलने के बाद तेज बारिश शुरू हो गई। दिनभर की उमस भरी गर्मी के बाद हुई इस मूसलाधार बारिश से नगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। मुख्य सड़कों पर पानी भरने से लोगों और वाहन चालकों को आवागमन पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित स्टेट बैंक कॉलोनी और न्यायालय के मुख्य द्वार के सामने सड़क पर लगभग दो फीट तक पानी जमा हो गया। इस जलभराव के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को पानी के बीच से गुजरना पड़ा, जिससे यातायात बाधित हुआ।

बारिश में सड़कों पर पानी: बालाराम पटेल कॉलोनी निवासी कल्लू रघुवंशी ने बताया कि मुख्य मार्ग पर बनी नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण हर बारिश में सड़कों पर पानी भर जाता है। उन्होंने जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने को इस समस्या का मुख्य कारण बताया।स्थानीय निवासियों ने नगर प्रशासन से नालियों की समय पर सफाई और जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे बरसात के मौसम में होने वाली इस परेशानी से राहत मिल सकेगी।

खेतों में पर्याप्त नमी के बाद ही करें बोवाई कृषि विभाग ने की एडवायजरी जारी

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। मौसम की अनिश्चितता के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों के बाद भी किसान भाईयों को चिन्तित होने की आवश्यकता नहीं है। खरीफ की बुआई के लिए कुछ सावधानियां अपनाकर किसान उत्पादन में स्थिरता बनाए रख सकते हैं। कुछ जिलों में अल्प वर्षा को देखते हुए खरीफ फसलों की बोवाई में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जब तक खेतों में पर्याप्त नमी न हो जाए, तब तक बुआई करना जोखिम पूर्ण हो सकता है। कृषक कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने वैज्ञानिकों के परामर्श से किसानों को सलाह दी है। संचालक कृषि उमाशंकर भागवं ने इस संबंध में मैदानी अमले को किसानों से सतत संपर्क करने के अधीनस्थ कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। सामान्य रूप से 4 इंच यानि लगभग 1 बारिशत की गहराई तक नमी होने तथा बतर आने के बाद बोवाई की आदर्श स्थिति मानी जाती है। वर्तमान में पूर्वी तरह मानसून की सक्रियता न होने के कारण बोवाई के लिए किसानों को प्रतीक्षा करने की आवश्यकता है। जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की पर्याप्तता हो उन्हें मुदा की उर्वरता बढ़ाने के लिये ढ़ैचा या सनई की बुवाई हरित खाद के रूप में करना चाहिये। जिन क्षेत्रों में पूर्व में वर्षा हुई है, वे भी हरित खाद या ग्रीन मैन्योरिंग हेतु फसलें बो सकते हैं। बुवाई के लिए तैयार खेतों में आधार खाद जैसे गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट एवं उर्वरक जैसे सुपर फॉस्फेट, म्यूरेट ऑफ पोटास और जिंक सल्फेट तथा जिप्सम आदि को खेत में बोवाई या छिड़काव द्वारा मिलाया जा सकता है। कृषि सलाह के अनुसार किसान भाई, सोयाबीन के बीज का अंकुरण परीक्षण कर 70 प्रतिशत से अधिक अंकुरण क्षमता वाले बीजों का उपयोग करें। रोग एवं कीट प्रतिरोधी उपयुक्त ऐसी किस्मों का चयन करें जिनकी जल मांग भी कम हो इसके लिये कृषि अधिकारियों से परामर्श लेना उपयोगी होगा बुवाई से पूर्व बीजों को फफूंदनाशकों एवं जैव उर्वरकों से उपचारित करना आवश्यक है सोयाबीन फसल की बुवाई में जलभराव एवं सूखे के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने हेतु रिज- एंड फरो सीड ड्रिल, बॉड बेड एंड फरो (BBF) सीड ड्रिल अथवा हस्तचालित सीड डिब्लर का प्रयोग करना उपयोगी है। इसी प्रकार धान की बोवाई के लिए पद्धति अथवा सीधी बोवाई अपनाना लाभकारी है। किसान भाइयों को वर्षा जल संचय के लिए रूि संभव उपाय अपनाना चाहिये। इसके लिए खेत तालाबों पोखर, सोक्ता पिट्, कुओं आदि में जल को रोकने का प्रबंध करना चाहिये। जल भराव वाले खेत के हिस्से में पानी रोकना तथा कुओं और नलकूपों को रिचार्ज करना भी वर्ष भर पानी उपयोग करने की वृष्टि से उपयोगी होगा। खरीफ फसलों में इंटर क्रॉपिंग या अंतरवर्ती खेती की सलाह भी दी गई है। एक ही खेत में एक से अधिक फसलें साथ बोना और एक फसल की एक से अधिक किस्में बोने से किसी भी संभावित जोखिम में कमी आती है। इसके अतिरिक्त किसानों को फसल बीमा करवाने की सलाह भी दी गई है। कृषि सलाह के अनुसार विभिन्न प्रसार माध्यमों से किसानों को मौसम की सूचनाओं पर ध्यान देने तथा उसके अनुसार कुल फसल कार्य करने के लिए भी आगाह किया जा रहा है।

निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत पात्र बच्चों को अशासकीय, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है, जिसका शुल्क प्रदेश सरकार वहन करती है। प्रदेश में आरटीई के अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। द्वितीय चरण की प्रक्रिया के बाद जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन सभी विद्यालयों को उनकी रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।

तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं होगा: राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि तृतीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। ऐसे आवेदक, जिन्होंने पूर्व चरणों में आवेदन किया था और सत्यापन उपरत पात्र पाए गए, लेकिन उन्हें कोई भी विद्यालय आवंटित नहीं हुआ वे तृतीय चरण के लिए विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकते हैं इसके अलावा, जिन आवेदकों को पूर्व चरण में विद्यालय आवंटित हुआ था लेकिन विद्यालय पसंद न आने या अन्य कारणों से उन्होंने प्रवेश नहीं लिया वे भी तृतीय चरण की प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पसंद के अनुसार विद्यालयों की चॉइस फिर से अपडेट कर सकेंगे।

सागर में बादलों के बीच रिमझिम बारिश शहर में आधा इंच तो खुरई में एक इंच से अधिक बरसात

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में मानसून की दस्तक के बाद से लोगों को तेज बारिश का इंतजार बना हुआ है। रोज सुबह से आसमान में बादल छा रहे हैं। बादलों के बीच वातावरण में उमस बनी हुई है। अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश और बौछरों का दौर जारी है। मंगलवार सुबह से आसमान में बादलों का डेरा है। सुबह के समय रिमझिम बारिश हुई। बारिश से वातावरण में ठंडक घुली। बदले मौसम के असर से न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इस समय अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम पारा 23.5 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है।

पिछले 24 घंटों में जिले में हुई बारिश: पिछले 24 घंटों में जिले के अलग-अलग स्थानों पर



बारिश दर्ज की गई। इस दौरान खुरई में एक इंच से अधिक बारिश हुई। वहीं सागर शहर में करीब आधा इंच पानी गिरा है। इसके अलावा, मालथौन, बंडा, गढ़ाकोटा, राहतगढ़ और देवरी में भी पानी गिरा है। बारिश के इस

सीजन में 1 जून से अब तक जिले में 197.5 मिमी यानी 7.8 इंच बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले साल 7 जुलाई तक जिले में 11.6 इंच बारिश हुई थी।

वेदर सिस्टम के असर से बढ़ेगी बारिश की गतिविधि:

एमपी के 22 खिलाड़ी एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई:टीटी नगर स्टेडियम में खिलाड़ियों से मिले मंत्री विश्वास सारंग; बोले-अंतरराष्ट्रीय मंच पर MP इतिहास रचेगा

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। भोपाल में मंगलवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में एशियन गेम्स क्वालिफाई करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों से मुलाकात की। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि एशियन गेम्स के लिए प्रदेश के 22 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के समर्पण और खेलों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को आधुनिक खेल अधोसंरचना, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, वैज्ञानिक कोचिंग, खेल विज्ञान, पोषण और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। टीटी नगर स्टेडियम में खिलाड़ियों से बातचीत करते खेल मंत्री विश्वास सारंग। सारंग ने कहा कि पूरा प्रदेश उनके साथ है। हमें विश्वास है खिलाड़ी भारत के लिए पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। मंत्री ने प्रशिक्षकों और खेल विभाग के अधिकारियों की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

22 खिलाड़ियों ने किया क्वालिफाई: आगामी एशियन गेम्स के लिए मध्यप्रदेश के 22 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में क्वालिफाई किया है। इनमें एथलेटिक्स, शूटिंग, रायफल, कैनो स्लालम, कैनोइंग, कायाक, शॉटगन, कलाउड जुडो और घुड़सवारी सहित विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ी शामिल हैं।

शासकीय छात्रावासों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 जुलाई तक

स्थान रिक्त होने पर अंतिम चरण में 20 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक/बालिका शासकीय छात्रावासों में रिक्त स्थानों पर प्रवेश के लिए अंतिम चरण में 20 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। इस वर्ष से प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन की गई है। इसके लिए विभाग ने एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से विशेष होस्टल प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि, प्रदेश में संचालित छात्रावासों में विशेष रूप से वंचित वर्गों की बालिका/बालक को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए परदर्शी ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली प्रारंभ की गई है। यह ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली एक समेकित

(Integrated) डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, सीट आवंटन, अभिलेख संधारण तथा प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन एवं परदर्शिता के साथ संचालित करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। यह प्रणाली विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) टाइप-टू एवं एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास (एनएससीबी) बालक/बालिका छात्रावासों के परदर्शी प्रबंधन एवं उनमें प्रवेश की सुविधा के लिए विकसित की गई है।

आवेदन की अंतिम तिथि एवं प्रक्रिया: राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार छात्रावासों में कक्षा 6वीं एवं अन्य कक्षाओं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी अंतिम चरण में 20 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। हॉस्टल में भर्ती के

लिए अभिभावक/पालक/विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन नजदीकी एमपी ऑनलाइन कियोस्क केंद्र से स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट <https://education-portalx.in> के माध्यम से भरा जा सकता है।

यदि अभिभावक/पालक/विद्यार्थी को फॉर्म भरने में कोई समस्या आती है तो आवेदन वार्डन के सहायण से भी भरा जा सकेगा। छात्रावासों में प्रवेश प्रात्रता: छात्रावासों में लक्ष्य अनुसार 50/100/150/175/200/220/275 स्थान उपलब्ध हैं। कक्षा 6 से 8 की बालिका को (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाईप-टू) में तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका छात्रावास प्रवेश दिया जाता है। वहीं कक्षा 6 से 12 की बालिका को (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाईप- में प्रवेश की पात्रता है।

खरगोन में साइबर जागरूकता मैराथन, 500 लोग शामिल ’सेफ क्लिक सुरक्षित जीवन’ का संदेश दिया, सामूहिक शपथ भी ली

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन पुलिस ने डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ‘SAFE CLICK 2.0’ अभियान के तहत एक साइबर जागरूकता मैराथन का आयोजन किया। लगभग एक किलोमीटर लंबी इस दौड़ में युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह मैराथन मंगलवार सुबह 7:30 बजे पुलिस अधीक्षक (एसपी) रवींद्र वर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर लेकर और नारे लगाते हुए डीआरपी लाइन तक दौड़ लगाई। इस दौरान उन्होंने ‘सेफ क्लिक सुरक्षित जीवन’ का संदेश दिया।

प्रतिभागियों को सामूहिक शपथ दिलाई: डीआरपी लाइन परिसर में मैराथन के समापन पर एसपी रवींद्र वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को सामूहिक शपथ दिलाई। शपथ में लोगों ने खुद के साथ-साथ मित्रों, परिवार और समाज को भी साइबर अपराधों के

प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इसी कड़ी में, गोगावां में भी एक समान मैराथन का आयोजन

किया गया।

को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस मैराथन में

आम नागरिकों के साथ-साथ शिक्षकों और स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जनकल्याण शिविर गंजबासौदा में 10 को एक ही स्थान पर मिलेगा समस्याओं का समाधान और योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)।किसानों और आम नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 10 जुलाई को गंजबासौदा स्थित एल.बी.एस. कॉलेज परिसर में विशाल जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की शिकायतों एवं आवेदनों का मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लॉन्च आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान शिविर की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना और विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, कृषि, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य, श्रम तथा अन्य विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने की कार्रवाई भी की जाएगी।

रतलाम रेल मंडल से गुजरने वाली 3 ट्रेनें रद्द मुंबई में हुई भारी बारिश के कारण 5 ट्रेनों को री-शेड्यूल किया, 2 का बदला रूट



आने और जाने वाली कुछ अन्य ट्रेनें भी विलंब से चलने की संभावना है। इसके साथ ही उन्हें री-शेड्यूल व शॉर्ट टर्मिनेट भी किया जा सकता है। साथ ही उनका मार्ग भी परिवर्तित किया जा सकता है।

इन ट्रेनों का बदला मार्ग: 6 जुलाई को ट्रेन संख्या

ट्रेन संख्या 12953 मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस। ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस।ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस- माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस।16 जुलाई को इन ट्रेनों को किया री-शेड्यूलट्रेन संख्या 12951 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस रात 21 बजे चलाई गई। ट्रेन संख्या 12955 मुंबई सेंट्रल-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रात 23 बजे चलेगी। ट्रेन संख्या 12961 मुंबई सेंट्रल-इंदौर अर्वातिका एक्सप्रेस रात 23:30 बजे चलेगी। ट्रेन संख्या 12903 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर गोल्डन टेम्पल मेल रात 23:15 बजे चलेगी। ट्रेन संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस-बरोनी अवध एक्सप्रेस 7 जुलाई को रात 1:30 बजे प्रस्थान करेगी।

इन ट्रेनों को किया निरस्त:

रतलाम में रातभर बरसे बादल 2.75 इंच बारिश के बावजूद जिले में अब भी पिछले साल से आधी वर्षा



मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।रतलाम में सोमवार रात से रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह तक चलता रहा। रात भर में 2.75 इंच पानी गिरा। बारिश होने से रतलाम जिले में मानसून एक्टिव है। पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश रतलाम शहर में 2.75

सुबह 8 बजे बाद मौसम खुल गया। आसमान में बादल छाए रहे। सूरज की लुकाछिपी जारी रही। दोपहर 12 बजे बाद फिर से रिमझिम बारिश शुरू हो गई। जुलाई माह की शुरुआत से रतलाम जिले में मानसून एक्टिव है। पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश रतलाम शहर में 2.75

इंच, पिपलौदा में 2.20 व जावरा में 2 इंच बारिश हुई है। 1 जून से लेकर अब तक जिले में 6.68 इंच बारिश हो चुकी है। यह बारिश पिछले साल से इस समय तक की आधी है। गत वर्ष इस समय तक 13 इंच बारिश हो चुकी थी। बारिश होने से जल स्तर भी बढ़ रहा है। किसानों ने खेतों में बोवनी कर दी है। अभी और बारिश की जरूरत है।

बारिश का अलर्ट: मंगलवार दोपहर बाद मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। जिले में 1 जून से लेकर अब तक सर्वाधिक बारिश रतलाम शहर में 10 इंच हो चुकी है। जबकि गत वर्ष इस समय तक 13 इंच बारिश हुई थी। पूरे जिले में अभी औसत से कम बारिश हुई है। जिले की सामान्य वर्षा का औसत 918.3 मिमी है।

शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत निजी स्कूल नवीन मान्यता एवं मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। शिक्षा के अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी स्कूल नवीन मान्यता एवं मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। राज्य शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग ने अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए निर्धारित तिथि को बढ़ा दी है। इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। निजी विद्यालय विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन ऑनलाइन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि, पूर्व में निजी विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2026 निर्धारित थी, लेकिन इस अवधि तक अनेक अशासकीय विद्यालयों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में आवेदन नहीं किए जा सके थे। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए निजी विद्यालयों को यह अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी निर्देशों में यह स्पष्ट किया है कि 10 जुलाई 2026 के बाद आवेदन की अंतिम तिथि में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी। शिक्षा का अधिकार नियम, 2011 के नियम 11 के अनुसार यदि कोई विद्यालय निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत समय पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत नहीं करता है तो निर्धारित अवधि के बाद उसकी मान्यता, स्वतः समाप्त मानी जाएगी। ऐसे विद्यालय का संचालन शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 18 के अंतर्गत उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित प्राध्यापकों के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जा सकेगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिला अधिकारियों को अपने जिले के सभी संबंधित अशासकीय विद्यालयों को समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन लॉक कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

एम्बाप्पे ने नस्लीय टिप्पणी पर पराग्वे के सांसद को फटकारा

पराग्वे सरकार ने सीनेटर की ‘घृणित’ टिप्पणी को किया खारिज



नई दिल्ली एजेंसी। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे और फ्रेंच फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने पराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। दोनों ने अमारिला को ‘घृणित’ और ‘सार्वजनिक पद के अयोग्य’ बताया। यह विवाद फ्रांस और पराग्वे के बीच खेले गए फीफा विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले के बाद एम्बाप्पे की मूल उत्पत्ति का मजाक उड़ाते हुए की गई उनकी ‘आपत्तिजनक और घृणित’ नस्लीय टिप्पणी के कारण सामने आया। पराग्वे की लिबरल रेंडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला ने विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल में फ्रांस से अपनी टीम की हार के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह विवादित टिप्पणी की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए किलियन एम्बाप्पे ने कहा, ‘आप एक घृणित महिला हैं और अपने पद के योग्य नहीं हैं। आप पराग्वे का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं, उस देश का जिसने पूरे टूर्नामेंट में जुनून और सम्मान के साथ खेला।’ उन्होंने आगे कहा, ‘आपकी गैर-जिम्मेदाराना हकत और खुलेआम किए गए नस्लवाद के कारण पूरी दुनिया अब उस ऐतिहासिक सफर और शानदार प्रदर्शन को भूल चुकी है, जो पराग्वे के खिलाड़ियों ने इस विश्व कप में किया। उसकी जगह अब एक अयोग्य महिला की छवि सामने है, जो अपने देश की सबसे खराब तस्वीर पेश कर रही है।’ एम्बाप्पे ने कहा, ‘मैं कभी भी ऐसे लोगों को दुनिया भर में नफरत और नस्लवाद फैलाने की आजादी नहीं दूंगा।’ फ्रेंच फुटबॉल महासंघ (एफएफएफ) ने भी पराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला की नस्लीय टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें ‘पूरी तरह घृणित और अस्वीकार्य’ बताया। एफएफएफ ने अपने बयान में कहा, ‘कोई इस तरह की बातें कैसे कर सकता है ये टिप्पणियां आपराधिक और निंदनीय हैं। इन पर यहां और अन्य जगहों पर भी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। एफएफएफ न्यायिक कार्रवाई के उद्देश्य से अभियोजक कार्यालय में शिकायत दर्ज करा रहा है। फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हैं और यह हमारे देश का अपमान है।’ हालांकि, पराग्वे सरकार ने भी सीनेटर सेलेस्टे अमारिला की विवादित टिप्पणियों से खुद को अलग करते हुए उन्हें शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और मानवीय गरिमा के सिद्धांतों के विरुद्ध बताया।

45 साल के हुए महेंद्र सिंह धोनी

फैंस ने रांची में उनके घर के बाहर मनाया जन्मदिन

रांची (झारखंड)एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के फैंस उनका 45वां जन्मदिन मनाने के लिए रांची में उनके घर के पास जमा हुए। वे पोस्टर लेकर आए, केक काटा और इस दिग्गज क्रिकेटर के लिए अपना प्यार और सम्मान जाहिर किया। इस खास मौके पर धोनी के घर के पास समर्थक जमा हुए। कई फैंस ने भारतीय क्रिकेट में उनके शानदार योगदान का जश्न मनाया और उम्मीद जताई कि संन्यास लेने से पहले वे उन्हें अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए देख पाएंगे। एक फैन ने बताया, ‘जब भी हम उन्हें देखते हैं, वे हमेशा फिट दिखते हैं। हम चाहते हैं कि वे ऐसे ही रहें और हमें प्रेरित करते रहें। हम उनसे गुजारिश करते हैं कि अपने आखिरी मैच से पहले रांची में कम से कम एक मैच खेलें ताकि उनके फैंस की यह इच्छा पूरी हो सके।’ धोनी का सफर खेल के इतिहास में सबसे प्रेरणादायक सफरों में से एक है। रेलवे स्टेशन पर टिकट कलेक्टर के तौर पर काम करने से लेकर भारत के सबसे बड़े टूर्नाफी विजेता बनने तक, उन्होंने टीम को कप्तान के तौर पर ICC टी20 वर्ल्ड कप 2007, ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 और ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जिताई। उन्होंने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया और जबरदस्त हिटिंग के लिए अपनी पहचान बनाई, लेकिन समय के साथ वे एक ऐसे ‘फिनिशर’ बन गए जो अपनी सोची-समझी आक्रामकता और बेहतरीन रणनीति से टीम को जीत दिलाते थे। भारत के लिए सभी फॉर्मेट

में 17,266 इंटरनेशनल रन, 829 डिसमिसल और 538 मैच खेलने वाले धोनी न सिर्फ खेल के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं, बल्कि एक ऐसे क्रांतिकारी भी हैं जिन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया और लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट के प्रति भारत के नजरिए को बदल दिया।धोनी ने 350 वनडे इंटरनेशनल (ODI) मैचों में 50.57 के शानदार औसत से 10,773 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 73 अर्धशतक शामिल हैं। उनका करियर का बेस्ट स्कोर नाबाद 183 रन रहा। वे वनडे में भारत के लिए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर 18,426 रनों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। धोनी का रिकॉर्ड इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने ज्यादातर मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हुए 10,000 से ज्यादा वनडे रन बनाए। अ

क्सर दबाव में और कम ओवर बचे होने पर क्रीज पर आने के बावजूद उन्होंने 50 से ज्यादा का औसत बनाए रखा। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत की कप्तानी की जिसमें 110 जीते और 74 हारे तथा 5 मैच टाई रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 रहा। धोनी ने 98 T20 इंटरनेशनल मैचों में 37.60 के औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए और उनका सबसे ज्यादा स्कोर 56 रहा। भले ही उनके बैटिंग



के आंकड़े शानदार हैं, लेकिन उनकी कप्तानी ने ही असल में उनकी T20I पहचान बनाई।

अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान का निधन

एसीबी ने जताया दुख

अफगानिस्तान । अफगानिस्तान क्रिकेट को बड़ा झटका लगा है। टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। दिल्ली के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, लेकिन वह ज़िंदगी की जंग हार गए। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें देश के क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में से एक बताया।

ACB ने जताया शोक

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश जारी करते हुए शापूर जादरान को श्रद्धांजलि दी। बोर्ड ने कहा कि उन्होंने पूरे करियर में अफगानिस्तान क्रिकेट की ईमानदारी, साहस और गर्व के साथ सेवा की। उनके योगदान और उपलब्धियों को हमेशा याद रखा जाएगा और राष्ट्रीय टीम के लिए उनकी सेवाएं कभी नहीं भुलाई जाएंगी।

अफगानिस्तान क्रिकेट के शुरुआती सितारों में थे शापूर

शापूर जादरान को अफगानिस्तान क्रिकेट के उन खिलाड़ियों में गिना जाता है जिन्होंने देश में क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफगानिस्तान की



पहचान मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ऐसा रहा अंतरराष्ट्रीय करियर

शापूर जादरान ने 2009 में नीदरलैंड्स के खिलाफ वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था, जो अफगानिस्तान के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय दौर का हिस्सा था। उन्होंने 2010 में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उनका आखिरी वनडे मार्च 2019 और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2020 में रहा।

उन्होंने अफगानिस्तान के लिए 44 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वनडे में उनके नाम 43 विकेट दर्ज हैं।

विराट के लिए दिल में बहुत सम्मान

जल्द भारत आना चाहता हूँ: नोवाक जोकोविच



नई दिल्ली । मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने जियोस्टार पर कहा, ‘मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएँ। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।’ उन्होंने कहा, ‘मैं सर्बिया से आता हूँ, जहां क्रिकेट बड़ा खेल नहीं है, लेकिन मेरी टीम में कुछ लोग ब्रिटिश हैं, और उन्हें क्रिकेट पसंद है। इसलिए मैं पिछले 10 से 15 वर्षों से इस गेम के बारे में सीख रहा हूँ। मुझे अभी भी अपनी क्रिकेट स्किल्स पर काम करने की जरूरत है। शायद विराट मेरी तकनीक और बैट स्विंग में मदद कर सकें। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान और प्रशंसा है। मुझे उनके देश भारत में उनसे मिलकर अच्छा लगेगा।’ जोकोविच ने रविवार को खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में रोमन सफीउलिन को 7-6(6), 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर, न सिर्फ अगले राउंड में जगह बनाई ।



नई दिल्ली एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में बड़ा उलटफेर और भावुक कर देने वाले दृश्य देखने को मिले हैं। एक तरफ जहां बेल्जियम ने एकतरफा मुकाबले में अमेरिका को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया, वहीं दूसरी तरफ स्पेन ने पुर्तगाल को शिकस्त

देकर फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्तियानो रोनाल्डो का विषय कप टूर्नाफी जीतने का सपना हमेशा के लिए तोड़ दिया। बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से रौंदा, बालोगुन का ‘रेड कार्ड विवाद’ रहा चर्चा में प्री-क्वार्टर फाइनल के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में बेल्जियम ने अमेरिकी

बेल्जियम और स्पेन क्वार्टर फाइनल में

अमेरिका बाहर, रोनाल्डो का विश्व कप सपना टूटा

रक्षापंक्ति की कमियों का फायदा उठाते हुए 4-1 से धमकेदार जीत दर्ज की।

नौच का हाल:

बेल्जियम के स्टार खिलाड़ी चार्ल्स डी केटेलारे ने शुरुआती दो गोल दागकर टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। इसके बाद अमेरिकी डिफेंडर्स की बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हांस वानाकेन ने टीम के लिए तीसरा गोल किया। मैच के आखिरी पलों में रोमेलु लुकाकू ने चौथा गोल दागकर अमेरिका की विदाई तय कर दी। अमेरिका की ओर से एकमात्र गोल पहले हाफ में मलिक टिलमैन ने किया।

ट्रम्प के हस्तक्षेप से हुआ विवाद: यह मैच

अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को लेकर उपजे विवाद के कारण काफी चर्चा में रहा। 25 वर्षीय बालोगुन को पिछले मैच में बोस्निया-हर्जेगोविना के डिफेंडर पर फाउल करने के कारण सीधे ‘रेड कार्ड’ दिखाया गया था, जिसके चलते उन पर एक मैच का प्रतिबंध था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दखल और फीफा से समीक्षा की अपील के बाद फीफा ने इस बैन को 12 महीने के लिए निलंबित कर दिया, जिससे बालोगुन इस मैच में खेल सके। फीफा के इस फैसले की यूईएफए, बेल्जियम और इंग्लैंड के फुटबॉल संघों ने कड़ी आलोचना की।

स्पेन से हारकर पुर्तगाल बाहर, रोते हुए मैदान से निकले 41 वर्षीय क्रिस्तियानो

रोनाल्डो डलास स्टेडियम में खेले गए एक अन्य हाई-वोल्टेज प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस हार के साथ ही फुटबॉल के दिग्गज क्रिस्तियानो रोनाल्डो का वर्ल्ड कप सफर आंसुओं के साथ समाप्त हो गया।

इंजरी टाइम का झामा:

पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के 91वें मिनट (इंजरी टाइम) में स्पेन के सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने फेरन टोरेस से मिले पास को पुर्तगाली गोलकीपर डिगो कोस्टा को छकाते हुए गोल पोस्ट में डाल दिया।

29 रन बनाते ही धोनी-रैना को पीछे छोड़ देंगे अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। अगर वह 29 रन बना लेते हैं तो भारत के दो दिग्गज बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना को पीछे छोड़ते हुए भारत के सातवें सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

रिकॉर्ड पर अभिषेक शर्मा की नजर शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा ने मौजूदा इंग्लैंड दौर पर आयरलैंड के खिलाफ गोल्डन डक को छोड़कर लगातार प्रभावशाली बल्लेबाजी की है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में उन्होंने 59 और दूसरे टी20 में 43 रन की अहम पारी खेली। अब ट्रेट ब्रिज में खेले जाने वाले तीसरे मुकाबले में उनके पास भारत के ऑलटाइम टी20 रन स्कोर्स की सूची में बड़ी छलांग लगाने का मौका है। धोनी और रैना का रिकॉर्ड तोड़ने से कितने रन दूर अभिषेक ने अब तक 49 पारियों में 1,589 रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं। भारत के लिए टी20 में सुरेश रैना ने



1,605 रन बनाए हैं, जबकि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम 1,617 रन हैं। अभिषेक को रैना से आगे निकलने के लिए 17 रन और धोनी को पीछे छोड़ने के लिए 29 रन की जरूरत है। हालांकि छठे स्थान पर मौजूद शिखर धवन (1,759 रन) तक पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा सफर तय करना

होगा। भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा रन रोहित शर्मा (4,231) के नाम हैं। उनके बाद विराट कोहली (4,188), सूर्यकुमार यादव (3,272), हार्दिक पंड्या (2,288) और केएल राहुल (2,265) का स्थान है। मौजूदा भारतीय टीम में सबसे आगे अभिषेक इंग्लैंड दौर पर मौजूद भारतीय टी20 टीम में अभिषेक शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके बाद तिलक वर्मा (1,501), संजू सैमसन (1,405), ईशान किशन (1,390) और कप्तान श्रेयस अय्यर (1,222) का नंबर आता है।शिवम दुवे के पास भी रिकॉर्ड बनाने का मौका तीसरे टी20 में शिवम दुवे के पास भी खास उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। दूसरे टी20 में उन्होंने गेंदबाजी नहीं की थी, लेकिन अगर ट्रेट ब्रिज में उन्हें गेंदबाजी का मौका मिलता है और वह एक विकेट हासिल कर लेते हैं तो भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को टी20 विकेटों की सूची में पीछे छोड़ देंगे। दुवे ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों में तीन विकेट लिए थे और अब इंग्लैंड में पहली बार गेंदबाजी करते हुए नया रिकॉर्ड बना सकते ।

मेरे नाम पर भ्रामक बयान फैलाए जा रहे

भारतीय टीम को मेरा पूर्ण समर्थन: सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए भारतीय टीम को शुभकामना दी है, साथ ही किसी भी बयान से इनकार किया है, जिसे उनका दिया बताकर प्रचारित किया जा रहा है। सूर्यकुमार यादव ने एक्स पर लिखा, ‘मैं टीम के लिए बहुत खुश हूँ और हमेशा उनके लिए अच्छे की दुआ करता हूँ। मुझे पता है कि लड़के अपना सब कुछ दे रहे हैं, और उन्हें हमेशा मेरा पूरा समर्थन रहेगा। वैभव के लिए एक खास बात—तुम एक बहुत ही रोमांचक सफर की शुरुआत में हो। हर पल का आनंद लो और देश को गर्व महसूस कराते रहो।’

उन्होंने आगे लिखा, ‘मैंने यह भी देखा है कि ऑनलाइन एक बयान फैलाया जा रहा है, जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताया जा रहा है। मैं यह साफ करना चाहता हूँ कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और न ही उसे मंजूरी दी है। कृपया बिना जांचो-परखी जानकारी पर विश्वास न करें और उसे साझा न करें।’ पूर्व कप्तान ने लिखा, ‘भारतीय क्रिकेट, मेरे साथी और खेल के लिए मेरा सहयोग हमेशा उन शब्दों से ज्यादा



जोरदार रहेगा जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताए गए हैं।’ पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम पर हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ बयान भ्रामक तरीके से फैलाए गए हैं, जिनमें वे अपनी टी20 की कप्तानी जाने और वैभव सूर्यवंशी पर बोलते हुए दिख रहे हैं।

चित्रकूट में अवैध खनन पर प्रशासन का शिकंजा तीन स्टोन क्रशरों पर 28 लाख का जुर्माना

ओवरलोडिंग और अवैध परिवहन में 11 वाहन जब्त, छह माह में 297 वाहनों पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में अवैध खनन, अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देश पर राजस्व एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान तीन स्टोन क्रशर इकाइयों पर उत्तर प्रदेश खनिज (परिहार) नियमावली-2018 के तहत कुल 28 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है खनन विभाग के अनुसार, जांच के दौरान ग्राम गोड़ा स्थित माधव स्टोन क्रशर में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 18 लाख रुपये का जुर्माना लगाया



गया। इसके अलावा शंकर पार्वती स्टोन क्रशर और एस.आर. ग्रेनाइट पर भी कार्रवाई करते हुए दोनों इकाइयों पर 5-5 लाख रुपये का अर्थदंड आरोपित किया गया है खान अधिकारी रणवीर कुमार सिंह ने बताया कि प्रशासन

द्वारा 1 और 2 जुलाई को अवैध खनन, अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया था। इस दौरान खनिज सामग्री का परिवहन करते समय नियमों का उल्लंघन करने वाले 11 वाहनों

को पकड़ा गया। सभी वाहनों को जब्त कर थाना भरतकूप की अभिरक्षा में रखा गया है। संबंधित मामलों में नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है उन्होंने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों पर रोक

लगाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। खनन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीमों समय-समय पर क्षेत्रों का निरीक्षण कर रही हैं, ताकि बिना अनुमति खनन, अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके विभागीय जानकारी के अनुसार, 1 जनवरी से 30 जून 2024 तक जिले में उपखनिज लंदे 297 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इन मामलों में प्रशासन ने 1 करोड़ 79 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूल किया है। वहीं गंभीर मामलों में अब तक 5 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं जबकि 16 प्रकरण सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं

प्रशासन का कहना है कि खनिज संपदा के अवैध दोहन से न केवल राजस्व को नुकसान पहुंचता है, बल्कि पर्यावरण और सड़क सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को देखते हुए अवैध खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले में नियमित जांच अभियान चलाया जाए और अवैध खनन, ओवरलोडिंग और बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

पकरिया के पास ट्रक ने खाद से लदे ट्रैक्टर को मारी टक्कर, दो घायल



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर पकरिया के पास मंगलवार को हुए सड़क हादसे में खाद से लदे एक ट्रैक्टर को पीछे से आ रहे तेज रफ़्तार ट्रक ने टक्कर मार दी दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार दो लोग घायल हो गए सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों को अस्पताल भेजा और ट्रक को जब्त कर जांच शुरू कर दी जानकारी के अनुसार, पाला गांव निवासी श्रीमोहन (45) सुखनन्दी चौधरी और शालू तिवारी (33) ट्रैक्टर से खाद लेकर अपने गांव लौट रहे थे इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने ट्रैक्टर को जोरदार



टक्कर मार दी टक्कर के बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया हालांकि, वाहन पलट नहीं जिससे एक बड़ा हादसा टल गया दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार दो लोगों को चोटें आई पुलिस ने तत्काल घायलों को उपचार के लिए अमदरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है प्रारंभिक जांच में तेज रफ़्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है पुलिस पूरे मामले की जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

महापौर ने विकास कार्यों की समीक्षा कर दिए निर्देश, गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम सतना के महापौर योगेश कुमार ताप्रकार ने मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में अभियंता अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर शहर में चल रहे विकास कार्यों एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया बैठक में उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता समयबद्धता और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए महापौर ने अधिकारियों से विभिन्न विकास योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और प्रत्येक परियोजना निर्धारित मानकों के



अनुरूप पूरी होनी चाहिए। उनका कहना था कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य ही शहर के नागरिकों को लंबे समय तक बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा सकते हैं बैठक के दौरान महापौर ने सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की

समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और जहां भी किसी प्रकार की बाधा आ रही हो, उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही परियोजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने और कार्यों की सतत निगरानी करने पर भी

जोर दिया योगेश कुमार ताप्रकार ने कहा कि नगर निगम शहर के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है जनहित से जुड़े प्रत्येक विकास कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है ताकि नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने और विकास योजनाओं को गति देने का आह्वान किया बैठक में अभियंता अधिकारियों ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति से महापौर को अवगत कराया महापौर ने निर्देश दिए कि सभी कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे शहर के विकास कार्यों का लाभ समय पर आम नागरिकों तक पहुंच सके।

समाजसेवी परिवार की प्रेरणादायी पहल, सावित्री देवी सावलानी के निधन के बाद हुआ नेत्रदान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर के वरिष्ठ नागरिक एवं समाजसेवी आरतमल सावलानी की धर्मपत्नी स्वर्गीय सावित्री देवी सावलानी के निधन के उपरांत उनके परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए नेत्रदान



कराया परिवार की सहमति से ज्योति प्रकाश मैहर के समन्वय और सतगुरु नेत्र चिकित्सालय, चित्रकूट की चिकित्सकीय टीम के सहयोग से नेत्रदान की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई नेत्रदान के माध्यम से दो दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में रोशनी पहुंचाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी कदम माना जा रहा है सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस निर्णय से न केवल दो लोगों को नई दृष्टि मिलने की उम्मीद जगी है, बल्कि समाज में अंगदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी सकारात्मक संदेश गया है सावलानी परिवार को इस पहल ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि जीवन के बाद भी किसी के विभिन्न वर्गों के लोगों ने इसे अवसर नेत्रदान के माध्यम से संभव है यह कार्य न केवल मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है बल्कि समाज में सेवा और परोपकार की भावना को भी मजबूत करता है।

सफल बनाने में सिंधु रत्न भाई बलराम जय्यासी, महेश दरियायी ईश्वर हिरनी, मती सुषमा कलवानी संजय जादवानी तथा हिमांशु कलवानी का विशेष सहयोग रहा वहीं सतगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट की विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम ने समय पर पहुंचकर आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी की सामाजिक संगठनों का कहना है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान जैसे निर्णय कई जरूरतमंद लोगों के जीवन में उजाला ला सकते हैं इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जुड़कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए सावलानी परिवार की इस पहल ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि जीवन के बाद भी किसी के लिए नई रोशनी बनने का अवसर नेत्रदान के माध्यम से संभव है यह कार्य न केवल मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है बल्कि समाज में सेवा और परोपकार की भावना को भी मजबूत करता है।

सतना में मानसून सक्रिय, भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी

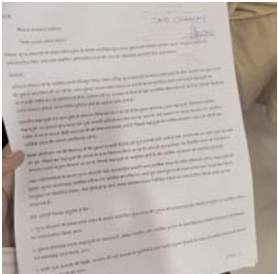
मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है सोमवार देर शाम से शुरू हुई बारिश मंगलवार को भी जारी रही जिससे मौसम में ठंडक चुल गई मौसम विभाग ने सतना सहित पूरे शिवा संभाग में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है मौसम विभाग के अनुसार, यह अलर्ट अगले 24 घंटे तक प्रभावी रहेगा इस दौरान कई स्थानों पर तेज बारिश के साथ गरज-चमक और 40 से 50 मिलीमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जलाई गई है रहत आपदा आयुक्त ने भी पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में भारी बारिश की लेकर जिला प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं सोमवार शाम तक जिला

मुख्यालय में आधा इंच से कम बारिश दर्ज की गई। दिनभर बादल छाए रहने के कारण अधिकतम तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस रहा वहीं न्यूनतम तापमान भी गिरकर 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र और मानसूनी ट्रफ़ लाइन के प्रभाव से यह बारिश हो रही है वर्तमान में कम दबाव का क्षेत्र झारखंड के आसपास बना हुआ है जो पूर्वी मध्य प्रदेश की ओर बढ़ रहा है इसी सिस्टम के कारण सतना सहित शिवा संभाग में भारी बारिश की संभावना जताई गई है प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

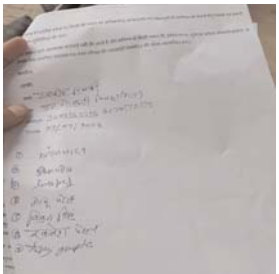
राहगीर से लूट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार मोबाइल और चांदी का ब्रेसलेट बरामद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगांव थाना पुलिस ने राहगीर से मारपीट कर लूटपाट करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट गया मोबाइल फोन चांदी का ब्रेसलेट और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक जब्त कर ली है तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने बताया कि घटना 5 जुलाई की रात करीब 1 बजे की है। कुष्मणगर निवासी 42 वर्षीय कन्हैयालाल सोधिया सेमरिया चौक से पैदल अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवकों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और मारपीट कर उनका मोबाइल फोन एवं चांदी का ब्रेसलेट छीनकर फरार हो गए घटना के बाद पीड़ित ने उसी रात कोलगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुर उर्फ छोटू पंडित (25), निवासी करहिया थाना सिरमौर जिला शिवा हाल सिद्धार्थ नगर; सचिन कुशवाहा (23) निवासी गोविंदगढ़ शिवा हाल बरदाडीह शुक्ला; और रोहित रजक (23) निवासी ऐरा थाना रामपुर बाधेलान हाल बरदाडीह के रूप में हुई है पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त बाइक क्रमांक एमपी 17 एमएस 9651, लूट गया मोबाइल फोन और चांदी का ब्रेसलेट बरामद किया है पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य मामलों की जानकारी भी जुटाई जा रही है मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

गुप्त गोदावरी प्रवेश द्वार पर फूल-माला की दुकान हटाने की मांग, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 15 स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल गुप्त गोदावरी के प्रथम गुफा प्रवेश द्वार के सामने संचालित फूल-माला की दुकान को लेकर स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर चिंता जताई है मंगलवार को कलेक्टर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दुकान को वर्तमान स्थान



से हटकर शू स्टैंड के सामने उपलब्ध खाली स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की ज्ञापन में बताया गया कि प्रथम गुफा का प्रवेश मार्ग पहले से ही संकरा है और प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु इसी रास्ते से दर्शन के लिए प्रवेश करते हैं ऐसे में प्रवेश द्वार के समीप दुकान संचालित होने से आवागमन बाधित होता है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि अमावस्या, पूर्ण और अवकाश के

दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, जिससे भीड़ का दबाव बढ़ने पर भगदड़ या अन्य दुर्घटना की आशंका बनी रहती है स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि संकरे मार्ग में दुकान होने से श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित होती है और किसी भी आपात स्थिति में बड़ी जनहानि हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दुकान को तत्काल किसी सुरक्षित एवं निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि दुकान संचालक द्वारा श्रद्धालुओं पर फूल-माला खरीदने का दबाव बनाया जाता है कुछ लोगों ने महिलाओं के साथ कथित अभद्र व्यवहार, बांसी पूजा सामग्री बेचने उपयोग की गई

सामग्री को दोबारा बेचने तथा लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार प्रचार-प्रसार कर ध्वनि प्रदूषण फैलाने जैसी शिकायतों का भी उल्लेख किया है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने तथा यदि आरोप सही पाए जाएं तो नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है साथ ही उन्होंने कहा कि गुप्त गोदावरी जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर कार्यालय ने शिकायत प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सतना में नकली इंजन ऑयल बनाने और बिक्री के आरोप, वाहन मालिकों को नुकसान की आशंका



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में कथित रूप से नकली इंजन ऑयल, मोबिल ऑयल ब्रेक ऑयल और यूरिया तैयार कर बेचे जाने का आरोप लगाया जा रहा है इसी तरह यह भी दावा किया गया है कि सतना नदी के पहले एक होटल के पीछे भी इस तरह की गतिविधियां संचालित होने की जानकारी सामने आई है जानकारी के अनुसार इस मामले में जसवंतर सिंह भाबिया का नाम भी सामने आया है सूत्रों का दावा है कि पूर्व में पंजाबी मोहल्ला स्थित जमुना कॉलोनी क्षेत्र में नकली इंजन ऑयल और मोबिल ऑयल के कथित निर्माण के मामले में पुलिस कार्रवाई हो चुकी है उस समय तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल और नगर पुलिस अधीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में छापामार कार्रवाई किए जाने की बात भी कही जा रही है हालांकि

कथित रूप से नकली इंजन ऑयल मोबिल ऑयल ब्रेक ऑयल और यूरिया तैयार कर बेचे जाने का आरोप लगाया जा रहा है इसी तरह यह भी दावा किया गया है कि सतना नदी के पहले एक होटल के पीछे भी इस तरह की गतिविधियां संचालित होने की जानकारी सामने आई है जानकारी के अनुसार इस मामले में जसवंतर सिंह भाबिया का नाम भी सामने आया है सूत्रों का दावा है कि पूर्व में पंजाबी मोहल्ला स्थित जमुना कॉलोनी क्षेत्र में नकली इंजन ऑयल और मोबिल ऑयल के कथित निर्माण के मामले में पुलिस कार्रवाई हो चुकी है उस समय तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल और नगर पुलिस अधीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में छापामार कार्रवाई किए जाने की बात भी कही जा रही है हालांकि

वर्तमान मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ किसी नई कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है जानकारी का कहना है कि यदि बाजार में नकली या निम्न गुणवत्ता वाले इंजन ऑयल और अन्य वाहन उत्पादों की बिक्री होती है तो इससे वाहनों के इंजन और अन्य महत्वपूर्ण पुर्जों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है इसके चलते वाहन मालिकों को मरम्मत पर भारी खर्च उठाना पड़ सकता है फिलहाल इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है ऐसे मामलों में प्रशासन पुलिस तथा संबंधित विभाग की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

गुप्त गोदावरी में कुत्तों के हमले से सांभर घायल: जंगल से भटककर आबादी में पहुंचा था, ग्रामीणों ने बचाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के चित्रकूट क्षेत्र स्थित गुप्त गोदावरी में एक नर सांभर पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया इस हमले में सांभर गंभीर रूप से घायल हो गया घटना के बाद ग्रामीणों ने उसे कुत्तों के चंगुल से बचाया सांभर पहाड़ के जंगल से भटककर आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच गया था यहीं कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया कुत्तों ने सांभर को काफी दूर तक दौड़ाया, जिससे उसके कान सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर सांभर को कुत्तों से बचाया ग्रामीणों ने घायल सांभर को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर बंदी पटेल की दुकान में बांध दिया। उन्होंने तत्काल वन विभाग को घटना



की सूचना दी चित्रकूट रेंजर अभिषेक मिश्रा को मामले की जानकारी दी गई है और ग्रामीण घायल वन्यजीव की निगरानी कर रहे हैं स्थानीय लोगों के अनुसार वन्यजीव अक्सर जंगलों से भटककर आबादी वाले क्षेत्रों में आ जाते हैं, जिससे ऐसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है वन विभाग की टीम के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है ताकि घायल सांभर का उचित उपचार किया जा सके।